सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" मेहनत का फल और समस्या का हल देर से ही सही लेकिन मिलता जरूर है...!! "

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–152 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, रविवार 21 जून 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

नवगई तिहरे हत्याकांड : मुख्य आरोपी सहित चारों का पटना में पैदल जुलूस, पुलिस ने लगवाए नारे

आरोपियों को देखने उमड़ी भीड़, एसपी बोलीं : साजिश के असली कारण जल्द उजागर होंगे

नई दृष्टिबिंदु / कोरिया

जिले के बहुचर्चित नवगई तिहरे हत्याकांड में नया मोड़ आया है। आत्मसमर्पण करने वाले मुख्य आरोपी मनोज त्रिपाठी समेत चारों आरोपियों अमन, आशुतोष और निशांत को पुलिस कड़ी सुरक्षा के बीच एमसीबी जिले के मनेंद्रगढ़ से पटना थाना लेकर पहुंची।

कानून का खौफ दिखाने निकाला जुलूस

कानून व्यवस्था का खौफ दिखाने और अपराधियों के हौसले पस्त करने के लिए पुलिस ने शाम को पटना नगर पंचायत क्षेत्र में आरोपियों का पैदल जुलूस निकाला। जुलूस के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। आरोपियों को देखने के लिए सड़क के दोनों ओर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

"अपराध करना पाप है, पुलिस हमारी बाप है" के नारे

पुलिस ने सख्त संदेश देते हुए जुलूस के दौरान आरोपियों से "अपराध करना पाप है, पुलिस हमारी बाप है" के नारे भी लगवाए। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है।

बड़े नाम सामने आने की संभावना

फिलहाल पुलिस ने सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ तेज कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि तिहरे हत्याकांड की गहरी साजिश के पीछे छिपे असली कारणों का जल्द ही खुलासा किया जाएगा। मामले में कई और बड़े नाम सामने आ सकते हैं। पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है।

इलाके में पुलिस की मुस्तैदी बढ़ी

इस कार्रवाई के बाद पटना थाना क्षेत्र और आसपास के इलाके में पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि अपराधियों में कानून का भय और आम नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं।

गौरतलब है कि इस घटनाक्रम के बाद प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार कटघरे में आ गई और कांग्रेस ने चरमराती कानून व्यवस्था पर जमकर शब्द बाण चलाए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पूरे प्रदेशक की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में चाकू-छुरी, हत्या आम हो गई है। पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह ने इस मामले का जल्द खुलासा करने की बात कही है।

कांग्रेस भवन में उमड़ा जनसैलाब, जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर के जन्मदिवस पर कार्यकर्ता मिलन समारोह

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण के जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर के जन्मदिवस पर शनिवार को राजीव भवन दुर्ग में आयोजित कार्यकर्ता मिलन समारोह ऐतिहासिक रहा। जिले भर से हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर के दुर्ग पहुंचने पर मालवीय नगर चौक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। इसके बाद सैकड़ों दोपहिया वाहनों के साथ विशाल बाइक रैली निकाली गई। रैली शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पटेल चौक पहुंची। जहां पहले से मौजूद हजारों कार्यकर्ताओं ने नारों और तालियों के साथ स्वागत किया।

कार्यक्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को शामिल होना था, लेकिन आकस्मिक दिल्ली प्रवास के कारण वे नहीं आ सके। उनकी ओर से चैतन्य बघेल और पूर्व ओएसडी आशीष वर्मा कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने श्री बघेल का शुभकामना संदेश कार्यकर्ताओं तक पहुंचाया।

कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि राकेश ठाकुर ने कम समय में संगठन को नई ऊर्जा दी है। हजारों कार्यकर्ताओं का स्वेच्छा से आना उनके प्रति विश्वास और प्रेम का प्रमाण है। पूर्व कैबिनेट मंत्री रविन्द्र चौबे ने कहा कि राकेश ठाकुर के जिलाध्यक्ष बनने के बाद कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है। कांग्रेस भवन में किसी जिलाध्यक्ष के जन्मदिवस पर इतना बड़ा आयोजन पहली बार हुआ है। पूर्व विधायक अरुण वोरा ने कहा कि राकेश ठाकुर ने सदैव कार्यकर्ताओं को सम्मान दिया और सभी को साथ लेकर संगठन को आगे बढ़ाया है। पूर्व विधायक प्रतिमा चंद्राकर ने कहा कि कांग्रेस की असली ताकत उसके कार्यकर्ता हैं और आज की उपस्थिति इस बात का प्रमाण है। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष विक्रांत अग्रवाल, महामंत्री राजीव गुप्ता, महेंद्र वर्मा, पुकेश चंद्राकर, शमशीर कुरैशी, योगिता चंद्रकार, कमलेश साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन शामिल हुए।

राकेश ठाकुर बोले : यह कांग्रेस परिवार की एकजुटता का उत्सव

अपने आभार वक्तव्य में जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि आज कार्यकर्ताओं ने जो स्नेह, सम्मान और विश्वास दिया है वह उनके जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। यह जन्मदिन व्यक्तिगत कार्यक्रम नहीं बल्कि कांग्रेस परिवार की एकजुटता का उत्सव है। उन्होंने संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता के सम्मान और पार्टी की मजबूती के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करने का भरोसा दिया।

100 से अधिक लोगों ने थामा कांग्रेस का हाथ

जन्मदिन के अवसर पर 100 से अधिक लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम में दुर्ग शहर अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, भिलाई शहर अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, रिसाली महापौर शशि सिन्हा सहित कांग्रेस के अनेक वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि, जिला, ब्लॉक, मंडल और मोर्चा प्रकोष्ठों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

मनगटा में युवती से दुष्कर्म के तीन आरोपी हुए गिरफ्तार, व्हिसलिंगवुड रिसोर्ट किया सील

जबरन शराब पिलाकर किया दुष्कर्म, पुलिस ने की त्वरित कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

थाना सोमनी क्षेत्र में 24 वर्षीय युवती से दुष्कर्म और मौत के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। घटना से जुड़े विशलिंगवुड्स रिसोर्ट मनगटा को भी सील कर दिया गया है।

रायपुर ले जाते समय पिलाई शराब

पुलिस के अनुसार 18 जून को मेडिकल कॉलेज अस्पताल पेण्ड्री से सूचना मिली थी कि एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। थाना सोमनी में मर्ग कायम कर जांच शुरू की गई। जांच में सामने आया कि आरोपी आशुतोष हिरवानी उर्फ आशु, छत्रपाल उर्फ बछू देशमुख और घनश्याम बेलचंदन ने एक राय होकर युवती को बहला फुसलाकर रायपुर ले जाते समय रास्ते में जबरन शराब पिलाई। इसके बाद रायपुर क्लब ले गए और वापस विशलिंगवुड रिसोर्ट मनगटा लाए।

मदहोशी का उठाया फायदा

रिसोर्ट में मदहोशी की हालत में मुख्य आरोपी आशुतोष ने युवती के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। इससे युवती को चोटें भी आईं। बाद में उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की।

धारा 64, 115(2), 3(5) बीएनएस के तहत केस

प्रकरण में धारा 64, 115(2), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। तीनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेजा जाएगा। घटना से संबंधित विशलिंगवुड्स रिसोर्ट को नियमानुसार सील कर दिया गया है। पुलिस ने अन्य रिसोर्ट मालिकों को भी सख्त संदेश दिया है। गिरफ्तार आरोपी में आशुतोष हिरवानी उर्फ आशु, 26 वर्ष, निवासी बुचीभरदा, थाना बसंतपुर, राजनांदगांव। छत्रपाल उर्फ बछू देशमुख, 25 वर्ष, निवासी ग्राम टेड़ेसरा गुड़ीपारा, थाना सोमनी, राजनांदगांव। घनश्याम बेलचंदन, 25 वर्ष, निवासी ग्राम निकुम बाजारपारा, थाना अण्डा, जिला दुर्ग है।

संयुक्त टीम ने की गिरफ्तारी

पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन में थाना सोमनी और साइबर सेल की संयुक्त टीम गठित की गई। थाना प्रभारी निरीक्षक दिलीप पटेल और साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक विनय पम्मार के नेतृत्व में टीम ने आरोपियों को हिरासत में लिया। पूछताछ में तीनों ने अपराध स्वीकार किया।

राजनांदगांव पुलिस की देर रात कॉम्बिंग गश्त, गुंडे बदमाशों पर कसा शिकंजा

100 से अधिक पुलिसकर्मियों ने चलाया अभियान, रिसोर्ट समेत संवेदनशील इलाकों में जांच

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कानून व्यवस्था को मजबूत करने और अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए राजनांदगांव पुलिस ने देर रात विशेष कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन में जिलेभर में यह कार्रवाई की गई।

100 से अधिक अधिकारी कर्मचारी रहे शामिल

अभियान में नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन, नगर पुलिस अधीक्षक अलेक्जेंडर किरो, नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती मंजुलता बाज, डीएसपी एम्ब्रोस कुजूर सहित जिले के सभी थाना प्रभारी और लगभग 100 से अधिक अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे।

चार टीमों ने की सघन जांच

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन में चार विशेष टीमें गठित की गईं। टीमों ने कोतवाली, बसंतपुर, चिखली चौकी और सोमनी थाना क्षेत्र के मनगटा रिसोर्ट समेत विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर व्यापक सर्चिंग की। इस दौरान गुंडा बदमाशों, निगरानीशुदा अपराधियों, आदतन अपराधियों और संदिग्ध व्यक्तियों का सत्यापन किया गया।

होटल रिसोर्ट में भी जांच

कॉम्बिंग गश्त के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ कर उनके पहचान और दस्तावेजों का सत्यापन किया गया। आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त और निगरानीशुदा अपराधियों की गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। होटल, रिसोर्ट, सार्वजनिक स्थलों और अन्य संवेदनशील स्थानों की भी गहन जांच कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया।

अभियान जारी रहेगा

राजनांदगांव पुलिस ने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों की रोकथाम और आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत करने के लिए इस तरह के विशेष कॉम्बिंग गश्त और चेकिंग अभियान भविष्य में भी निरंतर चलाए जाएंगे। पुलिस का उद्देश्य अपराधियों में कानून का भय और आम नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास बनाए रखना है।

जामड़ीपाठ कार्यक्रम की कवरेज से वंचित रहे पत्रकार, जगह जगह बेरीकेड्स लगाकर रोका

प्रशासन के रवैये से नाराज मीडिया कर्मी, बोले : लोकतंत्र में यह उचित नहीं

नई दृष्टिबिंदु / बालोद

जामड़ीपाठ में आयोजित कार्यक्रम की कवरेज के लिए पहुंचे पत्रकारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस प्रशासन ने जगह जगह बेरीकेड्स लगाकर रास्ते बंद कर दिए और पत्रकारों को कार्यक्रम स्थल तक जाने से रोक दिया।

नेटवर्क विहीन जंगल के रास्ते दिखाती रही पुलिस : बालोद, रायपुर और भिलाई से पहुंचे प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार जिस भी रास्ते से पाट बाबा के पूजा स्थल तक पहुंचने का प्रयास करते, पुलिस उन्हें वहीं रोक देती। बिना मोबाइल नेटवर्क वाले जंगल के रास्तों पर अन्य जिलों के पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। वे हर बार पत्रकारों को दूसरे रास्ते से जाने की सलाह देते रहे। कई किलोमीटर तक इधर उधर भटकने के बाद भी अधिकांश पत्रकार कार्यक्रम स्थल तक नहीं पहुंच सके।

रास्ते में ही लेनी पड़ी लोगों से जानकारी : अंत में पत्रकारों को रास्ते में ही कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे लोगों से बातचीत कर जानकारी जुटानी पड़ी। उसी आधार पर खबर तैयार कर सभी को बैरंग लौटना पड़ा। पत्रकारों का कहना है कि किसी भी बड़े आयोजन की सटीक और प्रभावी कवरेज के लिए मीडिया का मौके पर मौजूद रहना बेहद जरूरी होता है।

पत्रकारों ने जताई नाराजगी : पत्रकारों ने प्रशासन के रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई। उनका कहना है कि ऐसी व्यवस्था स्वस्थ लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। प्रशासन को कम से कम मीडिया के आवागमन के लिए व्यवस्था करनी चाहिए थी। जगह जगह पत्रकारों के प्रवेश पर जबरन प्रतिबंध नहीं लगाना चाहिए था। आज के प्रशासन के रवैये से जिले के सभी पत्रकार साथी दुखी होकर बैरंग वापस लौटे।

पत्रकारों ने मांग की है कि भविष्य में किसी भी सार्वजनिक आयोजन में मीडिया को कवरेज के लिए उचित व्यवस्था और पहुंच सुनिश्चित की जाए, ताकि निष्पक्ष और तथ्यात्मक खबरें जनता तक पहुंच सकें।

जीव सेवा के दौरान हुआ विवाद, कई पुलिसकर्मी घायल, बुजुर्गों के हस्तक्षेप से शांत हुआ मामला

बालोद । पाटेश्वर धाम क्षेत्र में शुक्रवार को आदिवासी समाज के जातरा कार्यक्रम के दौरान जमकर हंगामा हो गया। जानकारी के अनुसार तुएगोंदी गांव से श्रद्धालु करीब 4 किलोमीटर पहाड़ी और जंगल का रास्ता तय कर पाट बाबा को लेकर कार्यक्रम स्थल पहुंचे थे।

पूजा के बाद शुरू हुआ विवाद : पूजा अर्चना और जीव सेवा के बाद जब समाज के लोग पाटेश्वर धाम स्थित जलकैना क्षेत्र पहुंचे, तभी प्रशासन द्वारा जीव सेवा के लिए लाए गए बकरे को हटाए जाने पर विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते मामला बढ़ गया और पुलिस व समाज के लोगों के बीच झूमाझटकी की स्थिति बन गई। इसके बाद पुलिस प्रशासन के लोग बलि के लिए लाए बकरे को लेकर मौके से चले गए।

कई पुलिसकर्मी घायल, नारेबाजी : हंगामे के दौरान कई पुलिसकर्मियों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी भी की। घटना के बाद आदिवासी समाज में नाराजगी और आक्रोश का माहौल है। हालांकि बाद में समाज के बुजुर्गों ने हस्तक्षेप कर स्थिति को शांत कराया।

अंदर की बात

-:: खुलकर ::-
यशवंत साहू
फाउंडर भिलाई टाइम्स

मंत्रिमंडल का जिन्न, लोहे का दम पीएससी हिन्दी मीडियम का दर्ज, सूची का इंतजार

मंत्रिमंडल फेरबदल सिर्फ हवा, या कुछ तो है...

इस सप्ताह की सबसे ट्रेंडिंग टॉपिक यही थी... अब भी लोग कह रहे हैं कि क्या मंत्रिमंडल का पुनर्गठन होगा? कौन है वो चार मंत्री, जिनकी कुर्सी खिसक रही है? सीएम हाउस में अचानक बुलाई गई एक मीटिंग ने अलग ही रंग दिया दे दिया। जो लोग शांत थे, उन्हें बोलने का मौका मिल गया। सवाल तो ये भी है कि उस रात की मीटिंग में मंत्रिमंडल पर तो बात नहीं हुई है तो किस पर हुई है...? सत्ता-संगठन के बीच तालमेल बिठाना भी एक चुनौती है। कोरिया में भाजपा नेता लल्लन सिंह समेत 3 लोगों की हत्या कर दी गई... जिंदा जलाकर मार डाला गया। वो भी वहां, जहां भाजपा की सरकार है...। इस कांड ने सरकार की खूब किरकिरी हुई है... उस रात की बैठक में सबसे ज्यादा चर्चा किए जाने वाला यही इकलौता विषय था...। बाकी, थोड़ी नाराजगी और दिशा-निर्देश ही रही... मंत्रिमंडल का पुनर्गठन ऐसी बैठकों से नहीं होता। जिनका इस्तीफा लिया जाना है, वो ले लिया जाएगा, बिना कुछ एक्सक्यूज दिए और जिन्हें मंत्री बनाना होगा उन्हें फोन चला जाएगा।

ये रेत नहीं, ये खजाना है...

वाकई में... ये रेत नहीं, ये खजाना ही है। इसीलिए रेतघाट पाने के लिए नेता अपना सबकुछ लगा देते हैं... कमाई का सबसे बड़ा जरिया रेत ही होता है... कोरिया जिले में भाजपा नेता की हत्या पहली घटना नहीं है। राजनांदगांव से लेकर जांजगीर-चांपा, सक्ती, महासमुंद समेत कई जिलों से बड़े कांड की खबरें आई है... इस रेत के खेल में खनिज विभाग के अफसर सबसे ज्यादा लाल होते हैं। खनिज विभाग में कार्यरत कमर्चारी से लेकर अधिकारियों ने इतना धन कमा लिया है कि उनकी आने वाली पीढ़ियों को कुछ करना भी न पड़े, तब भी आसानी से जीवन कट जाएगा। क्या खनिज विभाग के अधिकारी एसीबी के टार्गेट में नहीं है? एसीबी चीफ के निशाने में ऐसे कई भ्रष्ट खनिज विभाग के अधिकारी-कर्मचारी हैं, जो खूब धन कमाकर मदमस्त हो गए हैं।

पीएससी में हिंदी मीडियम वालों का दर्द...

इस महीने सीजीपीएससी का मेंस कंप्लीट हुआ। अब एस्पेरेंट्स की असली परीक्षा लेंगे कॉपी चेक करने वाले पयर्वेक्षक। आयोग के पयर्वेक्षक ये शुरू से भ्रम पालकर बैठे हुए हैं कि अंग्रेजी मीडियम वाले ज्यादा होशियार होते हैं। हिंदी मीडियम वालों को नंबर कम देना है...। एस्पेरेंट्स की सबसे बड़ी चिंता इस बार भी है। कहीं हिंदी मीडियम देखकर नंबर कम न दे दे। इतिहास गवाह है कि हिंदी मीडियम वालों के साथ में हमेशा भेदभाव हुआ है। दुर्भाग्यजनक स्थिति ये है कि आयोग अपनी इस इमेज को ठीक क्यों नहीं कर रहा? इस बार भी मन में यही सवाल है कि कहीं इतिहास न दोहराया जाए। इस पर सरकार को भी गंभीरता से लेना चाहिए। वरना, हिंदी मीडिय के लाखों युवाओं का दिल टूट जाएगा, जैसे कि पहले से टूटते आ रहा है...।

लोहे ने उड़ा दी नींद...

भिलाई स्टील प्लांट से लोहा चोरी आज की नहीं है... सालों से खेल चल रहा है। आज कारर्वाई हुई है, वो भी बड़े लेवल की। लोहा चोरों से संबंध रखने वाले नेताओं, रसूखदारों, रंगदारी वसूलने वाले गुंडों की नींद उड़ गई है... क्योंकि इस बार मामला हाईप्रोफाइल हो गया है... एक माननीय के समर्थक का नाम सीधे ही आ गया है... ट्रांसपोर्टर्स में भी हड़कंप है। अगला नंबर किसका है? तो ओवरऑल इस एपिसोड ने सबकी नींद हराम कर दी है। कुछ नेताओं ने तो सीबीआई जांच की मांग तक कर दिए हैं। अब जांच होगी या नहीं? ये तो वक्त बताएगा। लेकिन हड़कंप तो मचवा दिए हैं कप्तान साहब। कुछ सेटिंग की कोशिश करते रहें, लेकिन कप्तान साहब के सामने किसी की मुंह तक नहीं खुली। क्योंकि साहब ऐसे-वैसे वाले नहीं है। बेहद गंभीर, संवेदनशील और सख्त है। जो पिघलते नहीं। इसीलिए इतनी तगड़ी कारर्वाई हुई है...।

स्कूल में गायत्री मंत्र से सियासत...

स्कूल में गायत्री मंत्र का जाप करना है बच्चों को...। ये नई बात तो नहीं है लेकिन इस पर सियासत क्यों...? सरस्वती शिशु मंदिर से लेकर गायत्री विद्यापीठ में तो पहले दिन से गायत्री मंत्र का जाप कराया जाता रहा है। मिशनरी कान्वेंट स्कूलों में भी उनके धर्म के प्रेयर कराए जाते हैं। तब तो किसी ने आपत्ति नहीं की। इस बार आपत्ति भीम आर्मी और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने की है। सीधा कहना है कि ये गायत्री मंत्र का जाप मुस्लिम समुदाय के बच्चे क्यों करेंगे...? खैर, इस आदेश से बहुसंख्यकों में हर्ष है। शिक्षा मंत्री ने हिंदू सम्राट वाले हृदय से इस आदेश को निकाला है, सो सरकार में गजब रिस्पांस गया मंत्री जी का। इस शिक्षण सत्र में कई इनोवेटिव काम होने हैं। ये शिक्षा मंत्री के लिए अग्निपरीक्षा से कम नहीं है। उसे एक्जीक्यूट कराने के लिए डीपीआई में शानदार काम करने वाले अफसरों को बुला लिया गया है। ये वो अफसर हैं, जो कभी डीईओ होते थे। अब डीपीआई से प्लानिंग कर एक्जीक्यूट कराएंगे और मॉनीटरिंग करेंगे।

मंत्री जी का कद बढ़ेगा, साथ में पॉवर भी...

अब बात शिक्षा मंत्री की हो रही है तो एक और बात। दुर्ग शुरू से पॉवर हब रहा है। मुख्यमंत्री दुर्ग से होते रहे हैं। वो चाहे बाबूजी हो या दाऊ जी...। दुर्ग संभाग से डॉक्टर साहब भी हैं। यानी कि पॉवर हब तो रहा है दुर्ग रेंज। शिक्षा मंत्री गजेंद्र के अच्छे दिन चल ही रहे हैं... साथ ही और भी अच्छे दिन आने वाले हैं। ऐसा इसलिए कि, मंत्रिमंडल पुनर्गठन में गजेंद्र को हैवीवेट डिपार्टमेंट और जिम्मेदारी मिलने वाली है। ऐसी चर्चा आरएसएस से जुड़े लोग कर रहे हैं। अब क्या बन जाएंगे? ये सब डिपेंड करता है डिप्टी सीएम विजय शर्मा के राष्ट्रीय टीम में शामिल होने पर।... अब इससे आगे नहीं। वेट करिए थोड़ा, कुछ बेहतर होने वाला है यादव जी के साथ।

सूची का इंतजार है...

सुशासन तिहार खत्म हुए सप्ताह बीत गए। लेकिन जिस सूची का इंतजार था, वो आई नहीं। ऐसा क्यों? क्या सूची लंबी हो गई है? क्या सूची में आए अफसर के नाम एडजस्ट नहीं हो रहे...? आखिर ये बहुप्रतिक्षित सूची कब आएगी? ये सवाल पूछ-पूछके लोग परेशान कर दिए हैं...? अब तो लोग कह रहे हैं कि मानसून सत्र से पहले सूची आ जाएगी। बस इंतजार करिए। बस्तर, सरगुजा, कोरिया, बालोद इलाके की घटना से भी सूची प्रभावित हो गई है। कहा जा रहा है कि नए नाम जोड़े जा रहे हैं। बालोद जिले में पत्रकारों को कवरेज से रोका गया। वो भी एसपी के आदेश पर। यहां पर इस एपिसोड ने पुलिस विभाग की किरकिरी कर दी है। कोरिया की घटना से प्रदेश के लॉ एंड ऑर्डर पर सवाल उठ रहा है। सरगुजा रामगढ़ की पहाड़ी बचाने शुरू हुए अभियान ने भी सूची प्रभावित की है।

जिला स्तरीय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर उप मुख्यमंत्री साव रहे मुख्य अतिथि

सांसद विजय बघेल बोले : 177 देशों के समर्थन से मिली योग को वैश्विक पहचान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

बारहवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा खालसा पब्लिक स्कूल दुर्ग में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के उप मुख्यमंत्री अरुण साव रहे। अध्यक्षता दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल ने की।

जनप्रतिनिधि और अधिकारी रहे मौजूद

कार्यक्रम में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय, विधायक रिंकेश सेन, महापौर अल्का वाघमारे, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे,

जिला कलेक्टर अभिजीत सिंह और आयुक्त सहित जिला प्रशासन के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया।

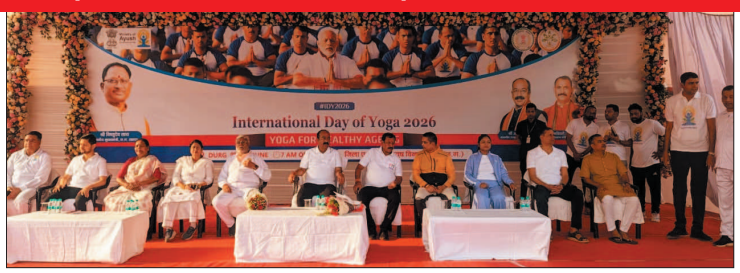

योग को जीवन का अभिन्न अंग बनाएं : उप मुख्यमंत्री साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने सभी को बारहवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि योग भारत के कण कण में समाहित है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि मन, बुद्धि और जीवन को उत्सवमय बनाने का माध्यम है। योग को हमें अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाना चाहिए।

भारत ने दिलाई योग को वैश्विक पहचान : सांसद विजय बघेल

सांसद विजय बघेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत की योग परंपरा को पूरे विश्व में पहचान दिलाने के लिए भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्ताव रखा, जिसे 177 देशों का समर्थन प्राप्त हुआ। तभी से 21 जून 2015 से विश्वभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने सभी से अपने परिवार के साथ नियमित योग करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में उपस्थित लोगों ने सामूहिक योगाभ्यास कर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को उत्साहपूर्वक मनाया।

राजनांदगांव में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह हुए शामिल, मल्लखंब प्रदर्शन के लिए बच्चों को 51 हजार रुपये देने की घोषणा, सैकड़ों लोगों ने किया योगाभ्यास

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 'स्वस्थ आयु के लिए योग' थीम पर जिला स्तरीय योग कार्यक्रम का भव्य आयोजन दिग्विजय स्टेडियम राजनांदगांव में किया गया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए।

योग स्वस्थ और सार्थक जीवन का मार्ग: विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने सभी को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग भारतीय संस्कृति और प्राचीन ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने नागरिकों से इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। डॉ. सिंह ने कहा कि योग केवल एक वार्षिक आयोजन नहीं बल्कि स्वस्थ, संतुलित और सार्थक जीवन का मार्ग है। उन्होंने बताया कि वे स्वयं प्रतिदिन योग करते हैं। हाल ही में हुई सर्जरी के कारण कार्यक्रम में योगाभ्यास नहीं कर सके लेकिन शीघ्र स्वस्थ होकर अगले वर्ष योगाभ्यास में शामिल होंगे।

मल्लखंब प्रदर्शन के लिए 51 हजार की घोषणा : डॉ. सिंह ने अबूझमाड़ से आए बच्चों द्वारा प्रस्तुत मल्लखंब प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन बच्चों ने अद्भुत संतुलन और कौशल का परिचय दिया है और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप स्वेच्छानुदान मद से 51 हजार रुपये प्रदान करने की घोषणा की।

योग से मन, शरीर और आत्मा का समन्वय : डॉ. सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संयुक्त राष्ट्र महासभा में किए गए प्रस्ताव के बाद आज योग विश्व के 177 से अधिक देशों तक पहुंच चुका है। योग मन, शरीर और आत्मा का समन्वय है। उन्होंने नागरिकों से केवल 21 जून को ही नहीं बल्कि पूरे वर्ष नियमित रूप से योग करने का संकल्प लेने का आग्रह किया।

योग से आत्मचिंतन की प्रेरणा: कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि शरीर और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करने का माध्यम है। योग व्यक्ति को स्वयं को समझने, आत्मचिंतन करने और जीवन को सकारात्मक दिशा देने की प्रेरणा देता है।

विभिन्न योगासनों का कराया गया अभ्यास : योग सत्र का प्रारंभ मंगलाचरण वंदन प्राथर्ना से हुआ। प्रशिक्षकों ने ताड़ासन, त्रिकोणासन, भद्रासन, वज्रासन, वक्रासन, मकरासन, सेतुबंध आसन, पवनमुक्तासन, शवासन कराया। साथ ही कपालभाति, अनुलोम विलोम और शीतलीकरण प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। बताया गया कि कपालभाति प्राणायाम से 99 प्रतिशत बीमारियां दूर होती हैं। आयुष विभाग की ओर से रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले स्वास्थ्यवर्धक काढ़ा का वितरण किया गया। अंकुरित मूंग, चना, मूंगफली एवं केला का नाश्ता दिया गया। कार्यक्रम में पतंजलि, उदयाचल एवं अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं की भी सहभागिता रही। इस अवसर पर महापौर मधुसूदन यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल नीलू शर्मा, अध्यक्ष जिला सहकारी केंद्रीय बैंक सचिन बघेल, आईजी बालाजी राव, पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा, वनमंडलाधिकारी आयुष जैन, जिला पंचायत सीईओ सुरूचि सिंह, अपर कलेक्टर प्रेम प्रकाश शर्मा, एसडीएम गौतम पाटिल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कमर्चारी और बड़ी संख्या में बच्चे, खिलाड़ी तथा नागरिक उपस्थित थे।

भिलाई इस्पात संयंत्र में "स्वस्थ आयु के लिए योग" थीम पर हुआ आयोजन, वरिष्ठ अधिकारी और बच्चे हुए शामिल

भिलाई इस्पात संयंत्र में 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस वर्ष की थीम "स्वस्थ आयु के लिए योग" रखी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य योग के माध्यम से स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली को बढ़ावा देना तथा सभी आयु वर्ग के लोगों को नियमित योगाभ्यास के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यकारी निदेशक प्रभारी व कार्यपालक निदेशक एके चक्रवर्ती रहे। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक प्रवीण निगम, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, कायर्पालक निदेशक पीके सरकार, कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार, कार्यपालक निदेशक कमल भास्कर तथा कायर्पालक निदेशक अरुण कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधकों, वरिष्ठ अधिकारियों व कमर्चारियों के साथ सेल एथलेटिक्स अकादमी एवं बॉक्सिंग क्लब के बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। योगाचार्य रणवेश सरकार एवं शिवेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया।

योगाचार्यों ने नियमित योगाभ्यास के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी को अपने दैनिक जीवन में योग अपनाने के लिए प्रेरित किया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के इस आयोजन ने प्रतिभागियों को स्वास्थ्य, मानसिक शांति एवं सकारात्मक जीवनशैली के प्रति जागरूक करने के साथ योग को जन जन तक पहुंचाने के संकल्प को भी सुदृढ़ किया। कार्यक्रम का संचालन सुप्रियो सेन ने किया। आयोजन के सफल संचालन में उप महाप्रबंधक (एससी एंड सीए) राजेन्द्र प्रसाद तथा उप प्रबंधक (एससी एंड सीए) अभिजीत भौमिक की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

रिसाली में 250 लोगों ने किया योगाभ्यास, योगा नृत्य बना आकर्षण, बच्चों को मिला प्रमाण पत्र

बेहतर जीवन शैली के लिए योग आवश्यक है। योग शरीर को निरोग बनाने में सहायक है। नगर पालिक निगम रिसाली द्वारा बारहवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग लंगर मैदान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। योग लंगर के योगाचार्य के मार्गदर्शन में लगभग 250 लोगों ने योगाभ्यास किया।

महापौर सिन्हा ने दी शुभकामनाएं

कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर, नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू और एमआईसी सनीर साहू ने शुभकामनाएं देकर किया। इसके बाद अशोक महेश्वरी के मार्गदर्शन में योगाभ्यास कराया गया। योग लंगर में नियमित अभ्यास करने वाले बच्चों ने योगा नृत्य प्रस्तुत किया। लगभग 15 मिनट के नृत्य में बच्चों ने संगीत पर विभिन्न आसन दिखाए। प्रस्तुति के बाद अतिथियों ने बच्चों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

नियमित योग की दिलाई शपथ

कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने उपस्थित लोगों को नियमित योग करने की शपथ दिलाई। निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने आभार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर पूजा ललित चंद्राकर, पार्षद धर्मेंद्र भगत, डॉ. सीमा साहू, माया यादव, ममता सिन्हा, रमा साहू, सुनंदा चंद्राकर, सविता ढवस, मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू समेत बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे।

आरोग्यम् नगपुरा में धूमधाम से मना अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, नवकार महामंत्र के जाप से हुआ शुभारंभ

श्री उवसग्गहरं पार्श्व तीर्थ परिसर में संचालित प्राकृतिक योगोपचार संस्थान आरोग्यम् नगपुरा में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस धूमधाम से मनाया गया। प्रात: सूर्योदय के साथ नवकार महामंत्र की जाप के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

संस्थान के सभागृह में मुम्बई के प्रख्यात आयुर्वेदाचार्य डॉ. मिलिंद जैन और डॉ. भारती रमन ने दीप प्रज्वलित कर योगोत्सव का शुभारंभ किया। योग साधना के दौरान साधकों को संबोधित करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दानेश्वर टंडन ने कहा कि योग एक प्राचीन भारतीय पद्धति है जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के बीच संतुलन बनाती है। यह आसनों, श्वास नियंत्रण और ध्यान का अनूठा संगम है जो जीवन शैली से जुड़ी बीमारियों को दूर कर सम्पूर्ण स्वास्थ्य प्राप्त करने में अत्यंत प्रभावी है।

चिकित्सा अधिकारी डॉ. आदित्य उपाध्याय ने योग के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दैनिक आहार, आचार, विचार और दिनचर्या को संतुलित रखकर हम बहुत कम समय में स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं। चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिव्या रात्रे ने प्राणायाम की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक चिकित्सा में वायु चिकित्सा भी एक प्रभावशाली विधा है और यह पंचतत्व का एक अंग है।

कार्यक्रम में डॉ. दीपा शिखा देशमुख, टुमन बंजारे, जागृति गुप्ता, राहुल लोहिया, सुनीता प्रीतमानी, रश्मि चैमानी, संगीता ठाकुर, मयूर टांक, अनुराग जायसवाल, आनंद अग्रवाल, जयेश शाह, वंदना शाह, वधर्मान गुरुकुल के विद्यार्थी, शिक्षकगण, आरोग्यम के साधकगण तथा नगपुरा के ग्रामीण उपस्थित रहे।

बलरामपुर में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े बोलीं : योग से स्वस्थ जीवन और सशक्त समाज का निर्माण संभव

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बलरामपुर जिले में 'स्वस्थ आयु के लिए योग' थीम के साथ व्यापक स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय स्थित स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम स्कूल के हाई स्कूल मैदान में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिले की प्रभारी मंत्री एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सहभागिता की। उन्होंने विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम का अभ्यास किया तथा नागरिकों को नियमित योग अपनाने का संदेश दिया।

योग शरीर, मन और आत्मा के समन्वय का विज्ञान: मंत्री राजवाड़े - कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से भारत की प्राचीन योग परंपरा को वैश्विक पहचान मिली है। आज विश्व के अनेक देशों में योग को स्वास्थ्य, संतुलन और मानव कल्याण के प्रभावी माध्यम के रूप में अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि शरीर, मन और आत्मा के समन्वय का विज्ञान है। योग और अध्यात्म एक दूसरे के पूरक हैं तथा यह व्यक्ति को स्वस्थ, अनुशासित और सकारात्मक जीवन की दिशा प्रदान करते हैं।

मंत्री राजवाड़े ने कहा कियोग ऐसी प्राचीन भारतीय साधना है जो तन, मन और आत्मा को संतुलित कर निरोग जीवन का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने सभी नागरिकों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया और उपस्थित लोगों को नियमित योग एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर प्रशिक्षकों द्वारा ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्धचक्रासन, भद्रासन, वज्रासन, मकरासन सहित विभिन्न योगासनों के साथ भ्रामरी प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने सामूहिक योगाभ्यास में भाग लेकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण : कार्यक्रम के दौरान मंत्री राजवाड़े ने स्काउट गाइड, रोवर एवं रेंजर के विद्यार्थियों से संवाद कर उनके अनुभव जाने। इसके बाद उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत हाई स्कूल मैदान परिसर में मौलश्री का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने भी पौधरोपण किया।

नशामुक्त भारत का दिलाया संकल्प : कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने उपस्थित जनसमूह को नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण में योग तथा नशामुक्त जीवनशैली की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल, जनपद अध्यक्ष सुमित्रा चेरवा, नगर पालिका अध्यक्ष लोधीराम एक्का, पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर, जिला पंचायत सीईओ नयनतारा सिंह तोमर सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण, विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान, ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता के लिए रोटेरियन निभाएं सक्रिय भूमिका-डेका

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका से रोटरी क्लब ग्रेटर रायपुर के सदस्यों ने लोक भवन में सौजन्य मुलाकात एवं चर्चा की। राज्यपाल ने उन्हें समाज हित से जुडे. विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन दिया। चर्चा के दौरान राज्यपाल ने रोटरी क्लब द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह एक संगठित और सेवा भावना से कार्य करने वाला संगठन है। उन्होंने कहा कि समाज के विकास और जनकल्याण के लिए सभी संस्थाओं और नागरिकों को मिलकर कार्य करना होगा।

राज्यपाल ने पर्यावरण संरक्षण को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए कहा कि रायपुर शहर में पेड़ों के चारों ओर कंक्रीट और टाइल्स का घेरा बना दिया गया है, जिससे उनकी जड़ों तक पर्याप्त पानी और हवा नहीं पहुंच पाती। उन्होंने रोटेरियन से ऐसे घेरों को हटाने और पेड़ों को पुनर्जीवन देने के लिए सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण और जल स्रोतों के संवर्धन के लिए प्रभावी

कदम नहीं उठाए गए तो राज्य को संभावित गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। इसके लिए अभी से जल स्रोतों के पुनर्जीवन और संरक्षण की दिशा में सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने रोटरी क्लब से इस अभियान में सक्रिय सहयोग करने का आग्रह किया।

राज्यपाल ने महिलाओं में बढ़ रहे ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि रोटेरियन इस दिशा में जनजागरूकता अभियान चलाकर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने राज्य के विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान और विकास में भी रोटरी क्लब के सहयोग की अपेक्षा जताई। उन्होंने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजातियों की संस्कृति छत्तीसगढ़ की मूल पहचान और धरोहर है, जिसे संरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने रोटेरियन से विशेष पिछड़ी जनजाति बाहुल्य गांवों को गोद लेकर वहां शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और सामाजिक विकास के क्षेत्र में कार्य करने का आग्रह किया।

राज्यपाल ने कहा कि रोटरी क्लब सामूहिक रूप से तो उत्कृष्ट कार्य करते है, लेकिन प्रत्येक सदस्य को व्यक्तिगत स्तर पर भी ऐसे कार्य करने चाहिए, जिनमें लेने की अपेक्षा देने की भावना हो। इससे जीवन में आत्मिक संतोष और आनंद प्राप्त होता है तथा समाज का भी कल्याण होता है। उन्होंने कहा कि समाज में अनेक ऐसे अनसंग हीरो और हीरोइन हैं, जो बिना किसी प्रचार-प्रसार के उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। ऐसे लोगों को सामने लाकर सम्मानित और प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में रोटरी क्लब महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। बस्तर क्षेत्र में वहां के लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के अवसर बढ़ाने के लिए सामाजिक संगठनों को आगे आना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में शासन द्वारा अच्छे कार्य किए जा रहे है। इसकी जानकारी देने और इस दिशा में जागरूकता बढ़ाने में रोटेरियन सहयोग कर सकते हैं।

बैठक में रोटरी क्लब के अध्यक्ष रितेश जिंदल ने राज्यपाल श्री डेका का स्वागत किया। क्लब की ओर से उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना, रोटरी क्लब ग्रेटर रायपुर के सचिव प्रकाश अग्रवाल, क्लब के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

खास खबर

रायपुर में पुस्तक "तेरा राज नहीं आएगा रे" का विमोचन, नक्सलवाद के अनछुए पहलुओं पर प्रकाश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बोले : बस्तर का विकास वनोपज और प्राकृतिक संसाधनों से करेंगे

विमतारा सभागार में 14 जून को नक्सलवाद के इतिहास से आत्मसमर्पण तक की घटनाओं पर केंद्रित पुस्तक "तेरा राज नहीं आएगा रे – माओवाद का अनकहा अनजाना पक्ष" का विमोचन हुआ। पुस्तक का विमोचन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, पांचजन्य के संपादक हितेश शंकर, साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष शशांक शर्मा और प्रभात प्रकाशन के प्रभात कुमार ने किया। **75 पूर्व माओवादियों के साक्षात्कार पर आधारित :** पुस्तक के लेखक बस्तर मामलों के प्रख्यात लेखक राजीव रंजन प्रसाद और प्रबुद्ध परिषद छत्तीसगढ़ की महिला आयाम प्रांत प्रमुख अधिवक्ता रचना नायडू हैं। दोनों लेखकों ने 16 अध्यायों में संकलित इस पुस्तक में बस्तर में लाल आतंक की इबारत लिखने वाले 75 पूर्व माओवादियों से साक्षात्कार को आधार बनाया है। रचना नायडू ने जमीनी तथ्य जानने के लिए दुर्ग से बस्तर का कई बार दौरा किया और पूर्व माओवादी महिलाओं से बातचीत कर अनछुए पहलुओं को उजागर किया।

पूर्व माओवादी अर्जुन मरकाम ने गाया गीत : कार्यक्रम का संचालन साहित्य अकादमी अध्यक्ष शशांक शर्मा ने किया। पूर्व माओवादी अर्जुन मरकाम ने अपने 18 वर्षीय 'गन' से 'गाना' तक की यात्रा बताई। उन्होंने अपने दो साथियों के साथ स्वरचित गीत "तेरा राज ना आएगा रे" की प्रस्तुति दी। यह गीत एक वृद्धा के चीत्कार पर आधारित था जिसके जवान बेटे की माओवादियों ने हत्या कर दी थी। सभागार में मौजूद लोगों ने खड़े होकर तालियों से सम्मान किया। अर्जुन मरकाम 2019 में मुख्यधारा में लौटे और वर्तमान में सुरक्षा बल में कार्यरत हैं।

गोली की लड़ाई जीती, बोली की बाकी: हितेश शंकर - पांचजन्य के संपादक हितेश शंकर ने कहा कि गोली की लड़ाई हमने जीत ली है, बोली की लड़ाई जीतना अभी शेष है। वातानुकूलित कमरों में बैठकर गलत विमर्श फैलाने वाले अर्बन नक्सलियों को मुंहतोड़ जवाब देना है।

वामपंथी इकोसिस्टम का खुलासा : लेखकों ने बताया कि भोले भाले जनजातीय लोगों के हाथों में बंदूक थमाकर उन्हें नचाने वाले माओवादी वामपंथी ही हैं। आत्मसर्पित पूर्व माओवादी वेणुगोपाल के अनुसार अर्बन नक्सली बस्तर से नक्सलवाद के उन्मूलन का विरोध कर रहे हैं क्योंकि उनका कलम वामपंथी इकोसिस्टम के तहत अथशास्त्र से जुड़ा था।

अलिखित संविधान की आड़ में अमानवीय व्यवहार : पुस्तक में बताया गया कि माओवादी बाल्यावस्था और किशोरावस्था के लोगों को बहला फुसलाकर कैडर से जोड़ते थे। शादी की मनाही, शादी करने पर पहले नसबंदी, हर घर से एक सदस्य की अनिवार्यता और काम के बदले वेतन न देना जैसे अलिखित नियमों की आड़ में अमानवीय व्यवहार करते थे। राजीव रंजन ने कहा कि बड़े माओवादियों के कनपटी पर बंदूकें नहीं रखी होतीं तो आज बस्तर से माओवाद समाप्त नहीं होता।

अर्बन नक्सली गढ़ रहे झूठा नैरेटिव: सीएम - मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आत्मसमर्पित माओवादियों के लिए कार्य योजना की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अर्बन नक्सली झूठा नैरेटिव गढ़ रहे हैं कि सरकार उद्योगपतियों को बस्तर सौंप देगी। हम बस्तर का विकास वहां के वनोपज और प्राकृतिक संसाधनों से ही करेंगे। बस्तर के लोग जैसा चाहेंगे वैसा ही उनके जीवन को खुशहाल बनाएंगे।

डॉ. रमन सिंह ने बताया समग्र दस्तावेज : विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि "तेरा राज नहीं आएगा रे" पुस्तक एक समग्र दस्तावेजीकरण है। भविष्य में इसका उपयोग सशक्त शोध संदर्भ के रूप में होगा। इसमें लेखकों ने तथ्यात्मक बातों का ही समावेश किया है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बाबा नागार्जुन की कविता "शांति का हिरण, अहिंसा की गाय" का पाठ कर माओवादियों के आत्मसमर्पण पर बात रखी। कार्यक्रम में कई गणमान्य नागरिक, पत्रकार, विचारक और सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी मौजूद थे। प्रभात प्रकाशन ने कम मूल्य पर पुस्तक की प्रतियां रखी थीं जिन्हें अच्छा प्रतिसाद मिला।

कोहका भिलाई में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योगाभ्यास

सर्व समाज कल्याण समिति और पतंजलि योग साधक समिति के तत्वावधान में हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बीरा जी के अंगना, कोहका भिलाई में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई एवं पतंजलि योग साधक समिति, कान्हा पार्क कोहका के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में योग साधकों ने एक साथ योगाभ्यास किया।

योग से मिलती है मानसिक शांति: इंद्रजीत सिंह

इस अवसर पर योग के महत्व, स्वस्थ जीवनशैली एवं नियमित योगाभ्यास के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। सर्वकल्याण समाज के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू ने कहा कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि मानसिक शांति, आत्मबल एवं सकारात्मक ऊर्जा प्रदान कर जीवन को संतुलित और सुखमय बनाता है। उन्होंने सभी योग साधकों एवं आयोजकों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

सारंगढ़ में 1000 से अधिक लोगों ने किया योगाभ्यास, बच्चों ने नृत्य शैली में किया योग प्रदर्शन

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सारंगढ़ के कृषि उपज मंडी परिसर में जिला स्तरीय वृहद योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष 'योग 365 डेज एम्ब्रेस योगा' और 'बढ़ते उम्र के स्वास्थ्य के लिए योग' की थीम पर आधारित शिविर में प्रदेश के राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री धनवंतरि और छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया।

आयोजन में मुख्य अतिथि टंकराम वर्मा के साथ कलेक्टर, एसपी, जिला पंचायत अध्यक्ष, पूर्व विधायक केराबाई मनहर, बरमकेला जनपद अध्यक्ष सहित अनेक स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी, पत्रकार और स्कूली बच्चे शामिल हुए। लगभग 1000 नागरिकों ने एक साथ बैठकर योग की विभिन्न विधाओं और प्राणायाम का अभ्यास किया। कार्यक्रम के दौरान राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वस्थ राष्ट्र' बनाने के संदेश का वाचन किया। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय को बधाई देते हुए जीवन में नियमित योग अपनाने का संकल्प दिलाया। योग के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक विशेष हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें मंत्री, कलेक्टर, एसपी सहित जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने हस्ताक्षर किए।

जिला स्तरीय योग दिवस का मुख्य आकर्षण बच्चों द्वारा नृत्य शैली में किया गया योग प्रदर्शन रहा। मुख्य सत्र के बाद योग शिक्षिका ममता साहू के मार्गदर्शन में सिम्पी योगा एंड फिटनेस सेंटर, योगाचार्य सुभाष पटेल की टीम और सरिया की योगिनी अकादमी के बच्चों ने 'श्रीरामचंद्र' सहित अन्य भक्ति गीतों पर सामूहिक योग मुद्राओं का प्रदर्शन किया। साक्षी पटेल ने एकल गीत पर योग की कठिन मुद्राओं को सहजता से प्रस्तुत कर खूब वाहवाही बटोरी। आयोजन में भारत स्काउट, जूनियर रेडक्रॉस और एनएसएस के सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। स्कूल और कॉलेज के छात्र छात्राओं की अनुशासित भागीदारी ने योग के संदेश को समाज के हर वर्ग तक पहुँचाया।

कार्यक्रम में एक प्रेरक पल तब देखने को मिला जब मंच से हजार से अधिक नागरिकों को योग का अभ्यास करा रहीं मुख्य योग शिक्षिका ममता साहू के माता पिता और रिश्तेदार भी शिविर में शामिल हुए। अपनी बेटी के बेहतरीन नेतृत्व और राज्य स्तर पर मिल रहे सम्मान को देखकर उनके माता पिता भावविभोर हो उठे। यह आयोजन सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के नागरिकों को स्वास्थ्य और एकजुटता का संदेश दे गया।

दुर्ग जिला न्यायालय में प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश की मौजूदगी में आर्ट ऑफ लिविंग के मास्टर ट्रेनर ने कराया योगाभ्यास

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के वार्षिक कैलेंडर के तहत अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग द्वारा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय दुर्ग के नवीन सभागार में विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा विधिक सेवाओं के प्रति नागरिकों को जागरूक करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 7 बजे हुई। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ जिला न्यायालय के सभी न्यायाधीश, अधिवक्ता, प्राधिकरण के सचिव, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के काउंसिल, न्यायालयीन कर्मचारी, प्राधिकरण के कर्मचारी तथा पैरालीगल वालंटियर्स उपस्थित हुए।

योग कार्यक्रम में आर्ट ऑफ लिविंग भिलाई के मास्टर ट्रेनर को योग प्रशिक्षक के रूप में विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। योग गुरु ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम तथा ध्यान तकनीकों का अभ्यास कराया। कार्यक्रम के दौरान योग के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक लाभों पर प्रकाश डाला गया।

मास्टर ट्रेनर ने बताया कि नियमित अभ्यास से स्वस्थ और निरोगी शरीर प्राप्त किया जा सकता है। योग शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक रूप से भी उपयोगी है। इससे शरीर लचीला बना रहता है और तनाव भरे जीवन में तनाव रहित जीवन जीने की कला योग से ही संभव है। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि योग न केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है बल्कि यह हमें आत्म अनुशासन, मानसिक संतुलन और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में भी सहायता करता है। कार्यक्रम के अंत में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के सचिव उमेश कुमार भागवतकर ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि योग को दैनिक जीवन में अपनाकर हम तनाव मुक्त जीवन जी सकते हैं।

करें योग रहें निरोग - पर्यटन व संस्कृति मंत्री अग्रवाल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं प्रेरणा से आयोजित 12वें विश्व योग दिवस के अवसर पर आज जशपुर में जिला प्रशासन के द्वारा वशिष्ठ कम्युनिटी हॉल में जिला स्तरीय योग दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पर्यटन और संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। योग प्रशिक्षक डमरूधर स्वणकार, श्रीमती स्मिता जैन के कुशल मार्गदर्शन में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने सामूहिक योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया।

जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनि भगत, पत्थलगांव विधायक और सरगुजा आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष श्रीमती गोमती साय, माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष शम्भू नाथ चक्रवर्ती, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अध्यक्ष रामप्रताप सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष अरविन्द भगत, जनपद पंचायत अध्यक्ष गंगा राम भगत, कृष्णा राय,नरेश नंदे, राजू गुप्ता, कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेद सिंह, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार, जिला आयुर्वेद अधिकारी भुवनेश्वर प्रसाद अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक, स्कूली बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सामूहिक योगाभ्यास के दौरान योग प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न योग आसनों एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। इसमें ताड़ासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, वज्रासन, पवनमुक्तासन, अर्धचक्रासन, शवासन, अनुलोम-विलोम, कपालभाति एवं ध्यान सहित अनेक योग क्रियाएं कराई गईं। उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास कर स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का संकल्प लिया।

मुख्य अतिथि पर्यटन और संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने सभी लोगों को योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि योग कब से शुरू हुआ है इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। योग भारत की प्राचीन संस्कृति और ऋषि परंपरा की अमूल्य देन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग को आज पूरी दुनिया में पहचान मिली है। योग शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ मन को शांति और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। भारत ही नहीं विदेशों में योग को अपनाया गया है।

विधायक श्रीमती रायमुनि भगत ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन जीने की संपूर्ण पद्धति है। नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ,मन प्रसन्न और कार्यक्षमता बेहतर होती है। उन्होंने कहा कि ऋषि मुनियों के समय से योग को किया जा रहा है। योग करने से बहुत से बीमारी दूर हो जाती है।

पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज गौरव का दिवस है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर भारत ही नहीं, बल्कि पूरा विश्व योग कर रहा है। उन्होंने कहा कि योग जीवन की आत्मा और साधना है। नगर पालिका अध्यक्ष अरविन्द भगत ने लोगों को नियमित योग अभ्यास करने को कहा जिससे शरीर में स्फूर्ति बनी रही।

विधायक, कलेक्टर सहित सभी वर्गों के लोगों ने किया योगाभ्यास

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पेंड्रा के असेंबली हॉल में सामूहिक योग कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों युवाओं तथा विभिन्न वर्गों के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योगाभ्यास किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक मरवाही प्रणव कुमार मरपची थे। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन, जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री समीरा पैकरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा उपेंद्र बहादुर सिंह, नगर पालिका परिषद गौरेला के अध्यक्ष मुकेश दुबे, नगर पालिका परिषद पेंड्रा के अध्यक्ष राकेश जालान सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। विधायक श्री मरपची ने अपने संबोधन में कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाता है। उन्होंने सभी नागरिकों से स्वस्थ एवं संतुलित जीवन के लिए योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया गया। साथ ही स्वस्थ एवं जागरूक समाज के निर्माण के उद्देश्य से नशामुक्त भारत अभियान के तहत उपस्थित सभी लोगों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया गया।

संपादकीय

एमपी के बाद झारखंड में कांग्रेस को झटका

राजनीति में हर गलती एक सबक सिखा कर जाती है,सीखने वाले एक गलती से ही सबक सीख जाते हैं और जो गलती को गलती मानते नहीं है, वह गलती के बाद गलती करते चले जाते है और अपना और पार्टी का नुकसान करते रहते हैं। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस के लिए हार भी जीत मानी जाती है,इसलिए कांग्रेस नेताओं को हार पर कोई दुख नहीं होता है, उन्हें निराशा नहीं होते हैं कि हम बार बार हार रहे हैं क्योंकि राहुल गांधी की फिलासफी के अनुसार को कांग्रेस हारती नहीं है,उसे हराया जाता है, कांग्रेस हारती नहीं है, उसके वोट चोरी कर लिए जाते हैं, कांग्रेस हारती नहीं है, उसकी सीट चोरी कर ली जाती है। जब राहुल गांधी ही हार से कोई सबक नहीं लेते है तो कांग्रेस के बाकी नेता कैसे ले सकते हैं, वह भी अपने नेता के नक्शे कदम पर चलते हैं। कोई भी चुनाव हो वह जानते हैं कि वह हारते नहीं उनको तो हराया जाता है, वह जानते हैं कि उनको फिर हराया जाएगा फिर भी वह ऐसा कुछ नहीं करते हैं कि उनको हराया न जा सके। वह हार जाते हैं कि हार ही में जीत है।

मप्र में राज्यसभा का चुनाव हुआ। स्थानीय नेताओं की पसंद की जगह राहुल गांधी की पसंद की नेता मीनाक्षी नटराजन को राज्यसभा का प्रत्याशी बनाया गया। सब मानकर चल रहे थे कि राहुल गांधी की पसंद की प्रत्याशी हैं तो उनका जीतना तो तय है। उनको विरोधी कोई नहीं कर सकता। संख्या पूरी है तो हार का सवाल ही नहीं है।उनको हराने की कोई सोच नहीं सकता। मप्र के किसी नेता में हिम्मत नहीं है कि मीनाक्षी को हराने के लिए कोई साजिश कर सके। कांग्रेस को कई बार कांग्रेस ही हराती आई है और इस बार कांग्रेस को कांग्रेस ने ही हरा दिया। एक उनका नामांकन फार्म ठीक से नहीं भरा गया और दूसरा जानते हुए भी डमी प्रत्याशी खड़ा नहीं किया गया कि अचानक कुछ हो जाए तो कांग्रेस को दूसरा प्रत्याशी तो जीते। एक जरा सी गलती से मीनाक्षी का नामांकन निरस्त हुआ और डमी प्रत्याशी नहीं होने के कारण भाजपा ने जो तीसरा प्रत्याशी खड़ा किया था वह जीत गया। यानी जिनके सी प्रतिशत जीतने की उम्मीद थी वह हार गया या हरा दिया गया और जिसके एक प्रतिशत जीतने की उम्मीद नहीं थी वह जीत गया या जिता दिया गया और राहुल गांधी को बता दिया गया कि आप प्रत्याशी चुन सकते हो लेकिन उसे जिता नहीं सकते हम प्रत्याशी नहीं चुन सकते लेकिन हम हमारी पसंद का प्रत्याशी न हो उसे कैसे भी हरा सकते हैं।

मप्र में कांग्रेस प्रत्याशी को हरा दिया गया लेकिन कांग्रेस ने इसे अपनी गलती या लापरवाही नहीं माना। वह भाजपा पर आरोप लगाती रही कि भाजपा ने हरा दिया। कांग्रेस को अपनी प्रत्याशी के हारने का दुख नहीं लेकिन भाजपा पर आरोप लगाने का मौका मिला इससे वह खुश रही। राहुल गांधी को कोई गुस्सा नहीं आया वह यह कहकर खुश हो गए कि अब भाजपा सीट चोरी कर रही है। उन्हें कोई यह बताने वाला नहीं था कि सीट चोरी हुई है तो उसमें कांग्रेस नेताओं की लापरवाही भी एक कारण है। सीट चोरी हो सकती है तो उसे रोकना कांग्रेस का काम है और कांग्रेस सीट चोरी नहीं रोक सकी है तो यह उसकी कमजोरी है। वह कमजोर है या सीट चोरी होने देना चाहती है इसलिए सीट चोरी होती है, वोट चोरी होती है। झारखंड में भी कांग्रेस प्रत्याशी के हारने की कोई उम्मीद नहीं थी। वहां भी कांग्रेस प्रत्याशी की जीत के लिए जितनी संख्या की जरूरत थी उतनी संख्या थी ।सरकार अपनी थी,पुलिस अपनी थी, भाजपा ने अपना प्रत्याशी खड़ा नहीं किया था। भाजपा निर्दलीय को समर्थन कर रही थी,यह जानते हुए भी समर्थन कर रही थी कि वह हार सकता है क्योंकि संख्या पूरी नहीं थी। यहां क्रास वोटिंग से ही कांग्रेस प्रत्याशी हार सकता है यह सब जानते थे इसके बाद भी ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की जा सकी कि इंडिया गठबंधन के विधायक क्रास वोटिंग न कर सकें। मप्र की तरह झारखंड में भी कांग्रेस का प्रत्याशी हर तरह से जीतने योग्य होकर भी हार गया। उसे 28 वोट मिलने थे 20 मिले और जिसके पास बीस वोट थे उसको 28 मिल गए।

कांग्रेस व राहुल गांधी कह सकते हैं कि हम हारे नहीं है,हमको हराया गया है ।सच तो यह है कि कांग्रेस जीत सकती है लेकिन जीतने के लिए जो कुछ करना होता है, वह करती नहीं है इसलिए हारती है, वह जीतने लिए बहुत कुछ करना पड़ता है, यह मानकर चलना पड़ता है कि हमको हराया जा सकता है, जानने का प्रयास करना पड़ता है कि कैसे हराया जा सकता है कहीं नामांकन गलत भरकर हराया जा सकता है, कहीं क्रास वोटिंग कर हराया जा सकता है। हारने वाले को पता करना पड़ता है कि वह कैसे जीत सकता है और वह वैसा करता है और जीत जाता है। हारनेवाला जीतना चाहता है, इसलिए वह जानता है कि कैसे जीता जा सकता है और वैसा करके जीत भी जाता है। मप्र में हारने वाला जैसे जीता,झारखंड में हारने वाला वैसे ही जीता है ।मप्र में जीतने वाले जैसे हारे, झारखंड में उसी तरह जीतने वाले हारे। जब नामांकन भरा जा रहा था तो कांग्रेस महासचिव भूपेश बघेल भाजपा का मजाक उड़ा रहे थे झारखंड में भाजपा के पास प्रत्याशी तक नहीं है। आज भाजपा वाले हंस रहे हैं कि भूपेश को आलाकमान जहां भी कांग्रेस को जिताने भेजते हैं, वहां कांग्रेस जरूर हार जाती है।

स्वामी विवेकानंद के योग संदेश की वैश्विक यात्रा

प्रतापराव जाधव

समूचे इतिहास में, कुछ विचार सरहदों के पार जाकर समाजों को बदलते रहे हैं। योग भारत की प्राचीनतम परंपराओं में से एक है, जिसकी यात्रा प्राचीन शास्त्रों से शुरू होकर वैश्विक मान्यता तक जा पहुँची है। योग शब्द – जो संस्कृत के मूल शब्द युज से लिया गया है, जिसका अर्थ है जोड़ना या एकत्व स्थापित करना– अपने भीतर दार्शनिक चिंतन और व्यावहारिक अनुशासन की एक समग्र प्रणाली समाहित किए हुए है, जिसका उद्देश्य व्यक्ति (जीवात्मा) का सार्वभौमिक चेतना (परमात्मा) के साथ मिलन कराना है।

योग के प्रारंभिक बीज ऋग्वेद (लगभग 1500–1200 ईसा पूर्व) में मिलते हैं, जहाँ तप और ध्यान जैसी अवधारणाओं का उलेख किया गया है। आगे चलकर इन विचारों का विकास उपनिषदों में हुआ, जिन्होंने योग के अनेक दार्शनिक सिद्धांतों को स्पष्ट रूप से प्रतिपादित किया। हालांकि योग को उसका सर्वाधिक व्यवस्थित स्वरूप महर्षि पतंजलि द्वारा रचित योगसूत्र (लगभग 200 ईसा पूर्व–400 ईस्वी) ने प्रदान किया इसमें अष्टांग योग अथवा आठ अंगों वाले मार्ग का वर्णन किया गया है, जिसमें यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि शामिल हैं।

पतंजलि के अलावा, भगवद गीता योग को जीवन जीने के गतिशील दर्शन के रूप में प्रस्तुत करती है। कुरुक्षेत्र के युद्धक्षेत्र की पृष्ठभूमि में भगवान कृष्ण और अर्जुन के बीच का संवाद मानव कर्तव्य, उद्देश्य और आध्यात्मिक उपलब्धि के विषय में गहन अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। भगवद्गीता में वर्णित विभिन्न मार्गों में कर्म योग (निःस्वार्थ कर्म का मार्ग), ज्ञान योग (ज्ञान का मार्ग) और भक्ति योग (भक्ति का मार्ग) मुक्ति प्राप्ति के तीन प्रमुख पथ माने गए हैं। अतः भारत केवल योग की जन्मभूमि ही नहीं है– यह एक जीवंत सभ्यता है, जहाँ योग सहस्त्राब्दियों से स्वाभाविक रूप से विकसित हुआ है, और जो इसकी आध्यात्मिक, सांस्कृतिक तथा दार्शनिक संरचना का अभिन्न अंग रहा है।

हालाँकि, औपनिवेशिक शासन के दौरान भारतीय समाज के शिक्षित वर्ग का एक बड़ा हिस्सा पश्चिमी बौद्धिक विचारधाराओं से प्रभावित होने और योग सहित भारत की अनेक पारंपरिक ज्ञान-परंपराओं को बदलती आधुनिक दुनिया में अपेक्षाकृत कम प्रासंगिक माना जाने लगा। ऐसे महत्वपूर्ण समय में, स्वामी विवेकानंद एक सशक्त स्वर बनकर उभरे, जिन्होंने लोगों को योग के वास्तविक महत्व को फिर से जानने में मदद की।

स्वामी विवेकानंद ने अपने उपदेशों और विश्व धर्म संसद में दिए ऐतिहासिक भाषण के माध्यम से दुनिया का ध्यान भारत की आध्यात्मिक विरासत की ओर आकृष्ट किया और योग को शाश्वत ज्ञान-परंपरा के पति लोगों में नया विश्वास जगाया। उन्होंने विश्व के विभिन्न भागों के लोगों के साथ वेदांत और योग के सिद्धांत साझा किए तथा यह स्पष्ट किया कि योग केवल एक धार्मिक साधना नहीं है, बल्कि व्यक्तिगत विकास, आंतरिक शांति और आत्म-विकास का मार्ग भी है। विदेशों में स्वामी विवेकानंद को मिले व्यापक सम्मान और प्रशंसा ने भारतीयों के मन में अपनी प्राचीन परंपराओं और संस्कृति के प्रति नया विश्वास और गौरव उत्पन्न किया।

स्वामी विवेकानंद ने शिकागो और उसके बाद अमेरिका भर में तथा यूरोप के विभिन्न देशों में अपने व्याख्यानों के माध्यम से पश्चिमी जगत को राजयोग (मन के नियंत्रण का योग), ज्ञानयोग (विवेक और ज्ञान का मार्ग), कमयोग (निःस्वार्थ सेवा का मार्ग) तथा भक्तियोग (ईश्वर-प्रेम और समर्पण का मार्ग) से परिचित कराया। पतंजलि के योग सूत्रों पर आधारित उनकी पुस्तक राजयोग (1896), पश्चिमी समाज के लिए योग दर्शन का परिचय कराने वाली प्रारंभिक और सर्वाधिक प्रभावशाली कृतियों में से एक बन गई। राजयोग पर दिए अपने व्याख्यानों में स्वामी विवेकानंद ने योग को मानव चेतना के आंतरिक आयामों की खोज करने वाली एक व्यवस्थित और अनुभव आधारित साधना के रूप में प्रस्तुत किया। स्वामी विवेकानंद का मानना था कि मानवता के लिए भारत का सबसे बड़ा योगदान उसकी आध्यात्मिक ज्ञान-परंपरा है, और योग उस परंपरा की सबसे गहन तथा स्थायी अभिव्यक्तियों में से एक है। उनके विचारों ने उस समय के जाने-माने बुद्धिजीवियों और विचारकों का ध्यान खींचा, जिससे भारतीय दर्शन के साथ पश्चिमी देशों का जुड़ाव और बढ़ा। जो बात शायद कम चर्चित है किंतु उतनी ही महत्वपूर्ण है, वह यह है कि पश्चिमी देशों में स्वामी विवेकानंद के कार्यों ने भारत के भीतर ही योग के पुनर्जागरण को प्रेरित किया। जब स्वामी विवेकानंद 1897 में भारत लौटे, तो वे खाली हाथ नहीं लौटे थे। वह अपने साथ एक नया आत्मविश्वास भारत की आध्यात्मिक विरासत पर गर्व की एक नई भावना लाए थे जो पश्चिम में उनके स्वागत से और बढ़ गई थी।

1897 में भारत लौटने के बाद, स्वामी विवेकानंद ने देशभर में व्याख्यान दिए और लोगों को भारत की आध्यात्मिक परंपराओं को पुनः खोजने के लिए प्रेरित किया।। मई 1897 को, स्वामी विवेकानंद ने हावड़ा के बेलूर मठ में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की –जो हुगली नदी के पश्चिमी किनारे पर है, उस जगह से थोड़ी ही दूरी पर जहाँ रामकृष्ण ने दक्षिणेश्वर में अपने आखिरी साल बिताए थे। बंगाल में हुगली नदी के तट पर स्थापित यह संस्थान एक आंदोलन का वैश्विक मुख्यालय बन गया, जिसने वेदांत के आदर्शों, सेवा को पूजा मानना (शिव ज्ञाने जीव सेवा) तथा योग दर्शन के व्यावहारिक अनुप्रयोग का व्यापक प्रचार प्रसार किया। रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद जैसे आध्यात्मिक गुरुओं की धरती होने के बावजूद, बदलते समय के साथ बंगाल में योग की सार्वजनिक दृश्यता धीरे-धीरे कम होती गई। जीवनशैली में परिवर्तन, आधुनिक प्राथमिकताओं के उभरने और सामाजिक संरचना में बदलाव के कारण योग धीरे-धीरे सार्वजनिक जीवन के केंद्र से दूर होता गया। फिर भी, इसकी जड़ें आध्यात्मिक संस्थाओं और समर्पित साधकों के माध्यम से जीवित रहीं।

11 सितंबर 1893 को, अमेरिका के बहनों और भाइयों के अमर अभिवादन के साथ शुरुआत करते हुए, स्वामी विवेकानंद ने विश्व धर्म संसद में अपने ऐतिहासिक भाषण के माध्यम से दुनिया को भारत के आध्यात्मिक ज्ञान से परिचित कराया। अब यह पंक्तियाँ पश्चिम बंगाल के बहनों और भाइयों, अपने ही घर में योग की घर वापसी के साक्षी बनिए शिकागों के वैश्विक मंच से लेकर हुगली के तट तक गहरे भावनात्मक संबंध को व्यक्त करती हैं, जो हमें उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाती हैं, जब स्वामी विवेकानंद ने दुनिया को भारत के आध्यात्मिक ज्ञान से परिचित कराया था। उनका संदेश भारत से विश्व तक पहुंचा और योग, सामंजस्य तथा आंतरिक शांति के मूल्यों का प्रसार करता गया।

आज हुगली के तटों पर जो लौटा है, वह स्वयं योग नहीं है– क्योंकि भारत में योग कभी समाप्त हो नहीं हुआ बल्कि योग के प्रति वह नवीनीकृत वैश्विक मान्यता और सराहना है, जिसकी शुरुआत भारत के प्राचीन ऋषियों से हुई और जिसे स्वामी विवेकानंद के संदेश ने विश्व मंच पर नए रूप में अभिव्यक्त किया। यह आज लौट आया है पुनर्जीवित, पुनः मान्य और पुनःस्थापित होकर बंगाल में हुगली नदी के तट पर, जहाँ बेलूर मठ आज भी उस यात्रा की जीती-जागती यादगार के तौर पर खड़ा है। आज जब विश्वभर में योग का अभ्यास किया जा रहा है और जब दुनिया इसे एक अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता देती है, ऐसे में यह याद रखना आवश्यक है कि योग की यह वैश्विक यात्रा अपने केंद्र में स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक मिशन को समाहित किए हुए है।

आज, कोलकाता में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उत्सव के साथ, ऐसा लग रहा है मानो योग की खूबसूरत घर वापसी उसी सरजमीं पर हो रही है, जहाँ से इसके संदेश ने विश्व मंच तक की अपनी यात्रा प्रारंभ की थी। हुगली नदी के तट एक बार फिर इस बात के साक्षी बन रहे हैं कि लोग एक ऐसी परंपरा का उत्सव मनाने के लिए एकत्र हो रहे हैं, जिसने महासागरों पार किया था और अब स्थादा पहचान और सम्मान के साथ लौटी है। शिकागो से हुगली तक की यात्रा केवल एक अभ्यास की यात्रा नहीं है; यह एक विचार और वास्तव में एक भावना की यात्रा है, जो संतुलन, करुणा और आत्म-चेतना के माध्यम से तथा आंतरिक सामंजस्य की खोज के द्वारा मानवता को निरंतर जोड़ती रहती है।

(लेखक केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री है)

डांसिंग गर्ल : जिसे ढककर हम खुद को उजागर कर बैठे

प्रो. आरके जैन

इतिहास बदलने के लिए बड़े फैसलों की जरूरत नहीं होती; कभी-कभी एक छोटी-सी शेडिंग ही काफी है। सिंधु घाटी सभ्यता की कांस्य प्रतिमा डांसिंग गर्ल आज इसी कारण विवाद में है। मोहनजोदड़ो से प्राप्त लगभग 4500 वर्ष पुरानी (2500–2300 ईसा पूर्व) यह प्रतिमा भारतीय पुरातत्व की महत्वपूर्ण धरोहरों में गिनी जाती है। एक हाथ कमर पर रखे आत्मविश्वास से खड़ी यह किशोरी केवल कलाकृति नहीं, बल्कि उस सभ्यता की सहजता, कलाबोध और आत्मविश्वास का प्रमाण है। हाल ही में एनसीईआरटी की कक्षा 9 की कला शिक्षा पुस्तक मधुरिमा में उसके नग्न धड़ को शेडिंग से ढक दिया गया। मामूली दिखने वाला यह बदलाव राष्ट्रीय बहस का विषय बन गया। सवाल प्रतिमा का नहीं, उस दृष्टि का है जिससे हम अपने अतीत को देख रहे हैं। क्या हम इतिहास को उसके वास्तविक रूप में स्वीकार कर रहे हैं, या उसे अपने समय की नैतिक कसौटियों के अनुरूप बदल रहे हैं?

डांसिंग गर्ल केवल प्रतिमा नहीं, एक सभ्यता का आत्मविश्वास है। लॉस्ट-वैक्स तकनीक से बनी यह 10.5 सेंटीमीटर कांस्य मूर्ति दिखाती है कि सिंधु सभ्यता धातु-कला, सौंदर्य-बोध और रचनात्मकता में कितनी विकसित थी। उसकी मुद्रा उस समाज की सहजता का प्रमाण है, जहाँ शरीर संकोच का विषय नहीं था। दशकों तक यह प्रतिमा एएसीआरटी की पुस्तकों में बिना बदलाव प्रकाशित होती रही और लाखों विद्यार्थियों ने इसे इतिहास के प्रमाण के रूप में देखा। ऐसे में अचानक इसे उम्र के अनुकूलह बनाने की जरूरत क्यों महसूस हुई? क्या इतिहास को इतिहास की तरह दिखाना अब पर्याप्त नहीं है? यह बदलाव केवल चित्र का नहीं, बल्कि उस सोच का है जो अतीत को उसकी वास्तविकता से नहीं, बल्कि वर्तमान की असहजताओं से परिभाषित करती है।

यह बदलाव केवल संपादन नहीं, इतिहास की पुनर्रचना जैसा है। इतिहासकार मिशेल डैनिनो ने इसकी कड़ी आलोचना करते हुए इसे सेंसरशिप और फर्जी कलाकृति का निर्माण बताया। उनका तर्क था कि किसी ऐतिहासिक वस्तु का मूल रूप बदलने पर विद्यार्थी वास्तविक इतिहास नहीं, बल्कि उसका संपादित संस्करण देखते हैं—यह बौद्धिक अन्याय है। उन्होंने इसे प्राचीन भारत पर विक्टोरियन नैतिकता थोपने की कोशिश भी कहा। विडंबना यह है कि जिस सभ्यता ने कला को सहज स्वीकार किया, उसके प्रतीकों पर आज कृत्रिम शालीनता लादी जा रही है। जबकि इतिहास का काम सुविधा के अनुसार बदलना नहीं, बल्कि असुविधाजनक सच्चाइयों से रूबरू कराना है।

यह विवाद भारतीय सांस्कृतिक परंपरा की समझ पर सवाल खड़ा करता है। खजुराहो के मंदिर, कोणार्क का सूर्य मंदिर, अजंता-एलोरा की चित्रकला और गुप्तकालीन मूर्तिशिल्प बताते हैं कि भारतीय कला में मानव शरीर सदैव सौंदर्य और अभिव्यक्ति का माध्यम रहा है। यहाँ नग्नता को अश्लीलता नहीं, बल्कि स्वाभाविकता, शक्ति, सृजन और सौंदर्य का प्रतीक माना गया। कामसूत्र की परंपरा वाली इस सभ्यता में यदि आज अपनी ही कलात्मक विरासत पर असहजता होने लगे, तो प्रश्न उठता है—बदल इतिहास रहा है या हमारी दृष्टि? डांसिंग गर्ल की नग्नता अश्लीलता नहीं, उस युग की सांस्कृतिक सहजता का प्रमाण है। उसे ढकने का प्रयास उस समझ को ढकने जैसा है, जिसने उस कला को जन्म दिया था।

इस विवाद की एक और परत भीतर का विरोधाभास खोलती है। एनसीईआरटी की कक्षा 6 की सामाजिक विज्ञान पुस्तक में वही प्रतिमा अपने मूल रूप में है, जबकि कक्षा 9 की कला शिक्षा पुस्तक में उसका संशोधित रूप दिखाया गया है। एक ही संस्था की दो पुस्तकों में एक ही ऐतिहासिक वस्तु के दो अलग-अलग रूप शिक्षा की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठाते हैं। क्या हम छात्रों को इतिहास पढ़ा रहे हैं या उसे अपने वर्तमान मानकों के अनुसार ढाल रहे हैं? यह केवल एक चित्र का मामला नहीं, बल्कि उस प्रवृत्ति का संकेत है जहाँ पाठ्यक्रम संशोधन के नाम पर इतिहास और पुरातत्व पर वैचारिक दबाव दिखने लगता है। जब तथ्य बदलते हैं, तो शिक्षा का आधार कमजोर पड़ता है।

सांस्कृतिक संवेदनशीलता का तर्क नकारा नहीं जा सकता। कुछ अभिभावक और शिक्षक मानते हैं कि किशोर विद्यार्थियों के सामने नग्नता का प्रदर्शन सावधानी से होना चाहिए। लेकिन सवाल यह है—समाधान समझाना है या छिपाना? शिक्षा का दायित्व संदर्भ देना है, न कि तथ्य बदलना। यदि किसी कलाकृति में नग्नता है, तो छात्रों को बताया जा सकता है कि प्राचीन कला में उसका अर्थ आधुनिक दृष्टि से अलग था—वह शक्ति, सौंदर्य, स्वतंत्रता और स्वाभाविकता का प्रतीक भी हो सकती है। हर असहज तथ्य पर शेडिंग चढ़ाते रहेंगे तो अगली पीढ़ी इतिहास नहीं, उसका सुविधाजनक संस्करण पढ़ेगी। तब पाठ्यपुस्तकें दस्तावेज कम और कल्पना अधिक बन जाएँगी।

शिक्षा मंत्रालय के स्पष्टीकरण और सार्वजनिक आलोचना के बाद एनसीईआरटी ने मूल छवि बहाल करने का निर्णय लिया। डिजिटल संस्करण में तुरंत संशोधन हुआ और भविष्य की मुद्रित प्रतियों में भी मूल प्रतिमा प्रकाशित करने की घोषणा की गई। यह कदम स्वागत योग्य है, लेकिन सवाल छोड़ता है कि शुरुआत में यह परिवर्तन क्यों किया गया। यह निर्णय दिखाता है कि पाठ्यपुस्तकें अब केवल शैक्षणिक सामग्री नहीं, बल्कि वैचारिक संघर्ष का भी हिस्सा बन चुकी हैं। यह घटना याद दिलाती है कि संवेदनशीलता और सेंसरशिप की रेखा बहुत पतली है, और उसे पार करने पर संस्थाओं पर भरोसा कमजोर पड़ सकता है।

डांसिंग गर्ल विवाद किसी प्रतिमा का नहीं, हमारे आत्मविश्वास का है। राष्ट्रीय संग्रहालय में रखी यह डांसिंग गर्ल हर वर्ष असंख्य विद्यार्थी और पर्यटक देखते हैं, और कोई उसे अश्लीलता नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की उपलब्धि मानता है। यदि हम अपनी विरासत को उसके वास्तविक रूप में स्वीकार नहीं कर सकते, तो उसके गौरव पर गर्व भी अधूरा है। इतिहास को ढक देने से वह बदलता नहीं, केवल हमारी समझ सीमित होती है। पाठ्यपुस्तकें ज्ञान की खिड़कियाँ हैं, नैतिकता की दीवारें नहीं। डांसिंग गर्ल को उसकी पूर्ण वास्तविकता के साथ स्वीकार करना ही उस सभ्यता का सच्चा सम्मान है, जिसने हजारों वर्ष पहले आत्मविश्वास को कांस्य में ढाल दिया था।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026: स्वस्थ जीवन और विकसित भारत का आधार बनेगा योग

डॉ. दानेश्वरी सम्भाकर , उप संचालक, जनसंपर्क रायपुर

ारत में प्राचीन काल से ही योग हमारी जीवनशैली और संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है। ऋषि-मुनियों, योगियों और संतों ने योग के माध्यम से स्वस्थ शरीर, शांत मन और आध्यात्मिक चेतना का मार्ग दिखाया। भारतीय ज्ञान परंपरा की यह अमूल्य धरोहर आज विश्वभर में स्वास्थ्य और कल्याण का पर्याय बन चुकी है। इसी विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता प्रदान की, जो आज विश्वव्यापी जनआंदोलन का स्वरूप ले चुका है।

योग फॉर हेल्दी एजिंग : स्वस्थ और सक्रिय जीवन की दिशा में एक कदम

वर्ष 2026 के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम योग फॉर हेल्दी एजिंग (स्वस्थ एवं सक्रिय वृद्धावस्था के लिए योग) रखी गई है। यह थीम योग के माध्यम से जीवन के प्रत्येक चरण में शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का संदेश देती है। योग न केवल रोगों से बचाव का प्रभावी माध्यम है, बल्कि स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली की आधारशिला भी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व में योग आज विश्व के करोड़ों लोगों के जीवन का हिस्सा बन चुका है। प्रधानमंत्री का मानना है कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि व्यक्ति, समाज और प्रकृति के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाली जीवन पद्धति है। योग व्यक्ति को स्वयं बनाकर परिवार समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाने का माध्यम बनता है इस वर्ष राष्ट्रीय स्तर का मुख्य आयोजन कोलकाता में आयोजित किया जा रहा है जहां प्रधानमंत्री स्वयं योगाभ्यास का नेतृत्व करेंगे।

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का राज्य स्तरीय मुख्य समारोह अंबिकापुर में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय स्वयं योगाभ्यास में सहभागिता करेंगे और प्रदेशवासियों को नियमित योग अपनाकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश देंगे। राज्य सरकार द्वारा योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, पंचायतों और सामाजिक संगठनों के सहयोग से व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

श्री साय का मानना है कि स्वस्थ नागरिक ही विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति हैं। योग शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक संतुलन, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है। यही कारण है कि राज्य सरकार स्वास्थ्य संवर्धन और जनजागरूकता अभियानों में योग को विशेष महत्व दे रही है। प्राकृतिक संसाधनों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिपूर्ण छत्तीसगढ़ में योग का संदेश लोगों के जीवन से सहज रूप से जुड़ता है। प्रदेश के ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवनशैली योग के मूल सिद्धांतों को प्रतिबिंबित करती है। विद्यालयों, महाविद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों और शासकीय संस्थानों में नियमित योग गतिविधियों के माध्यम से स्वस्थ समाज निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं।

वर्तमान समय में बढ़ते तनाव, अनियमित जीवनशैली और विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के बीच योग एक सरल, सुलभ और प्रभावी समाधान के रूप में उभरा है। नियमित योगाभ्यास शरीर को निरोग, मन को शांत और जीवन को संतुलित बनाता है। यह व्यक्ति को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान कर जीवन की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता विकसित करता है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि योग को केवल एक दिवस का आयोजन न मानकर दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं। स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए योग को अपनाना समय की आवश्यकता है। आइए, योग के माध्यम से स्वस्थ छत्तीसगढ़, विकसित भारत और समृद्ध विश्व के निर्माण में अपना योगदान दें।

नीट पेपर लीक

छात्रों का सवाल है कि नीट पेपर लीक, सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग में गड़बड़ी, अनगिनत परीक्षाओं के आयोजन में अव्यवस्था आदि के लिए किसी को तो उत्तरदायी होना चाहिए? फिलहाल, उन्होंने शिक्षा मंत्री को जवाबदेह माना है।

कॉकरोच जनता पार्टी के पहले जमीनी विरोध प्रदर्शन में सामान्यतः अपेक्षाकृत संपन्न परिवारों से आए छात्र-नौजवानों का जमावड़ा लगा। उनका, जो शिक्षा के जरिए ऊंचे करियर का सपना देख सकने की स्थिति में होते हैं। शिक्षा की ढहती व्यवस्था उनके सपनों के साकार होने में रुकावट बन गई है, तो ये युवा ये पूछने निकले हैं कि इसके लिए जिम्मेदार कौन है? इसीलिए नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर जो शब्द सबसे ज्यादा सुनाई दिया, वो है– जवाबदेही।

छात्रों का सवाल है कि नीट पेपर लीक, सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग में गड़बड़ी, अनगिनत प्रवेश परीक्षाओं के आयोजन में अव्यवस्था आदि के लिए किसी को तो उत्तरदायी होना चाहिए? फिलहाल, उन्होंने इनके लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री को जवाबदेह माना है, इसलिए उनकी पहली मांग है कि धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। वैसे, प्रदर्शन स्थल पर सवाल यह भी उठा कि यूनिवर्सिटीज की टॉप वर्ल्ड रैंकिंग में पहले 100 स्थान में एक भी भारतीय विश्वविद्यालय क्यों नहीं है? ये बुनियादी प्रश्न हैं। सत्ताधारी इनकी ज्यादा देर तक अनदेखी नहीं कर सकते। भाजपा नेतृत्व को समझना चाहिए कि कॉकरोच लामबंदी में बड़ी संख्या में वो नौजवान शामिल हुए हैं, जिनकी उम्र 15–25 वर्ष के बीच है। उन्होंने अपने होश में सिर्फ मोदी राज देखा है।

इसलिए उनके बीच पिछली सरकारों की नाकामियों का शोर मचाने की रणनीति निष्प्रभावी होने लगी है। ये पीढ़ी हिंदू- मुसलमान, देशद्रोही- पाकिस्तान आदि के नैरेटिव्स को सुनते हुए बड़ी हुई है। उससे उसको तब तक शिकायत नहीं थी, जब तक उन्हें अपना करियर सुरक्षित दिखता था। आम तुजुर्बा है कि जब अपना भविष्य दांव पर लगा दिखे, तो ऐसी कहानियां बेअसर होने लगती हैं। जंतर-मंतर एक ऐसी पीढ़ी के उभर चुकने का गवाह बना। सत्ता पक्ष को इस जमीनी बदलाव को गंभीरता से लेना चाहिए। जवाबदेही की उठी मांग पर उसे सकारात्मक रुख अपनाना चाहिए। युवा भावनाओं को दबाने या भटकाने की कोशिश के उलटे परिणाम हो सकते हैं। याद रखना चाहिए कि दुनिया जेन-जी परिघटना से गुजर रही है। अतः भारत में इस पीढ़ी की आंकाक्षाएं संवैधानिक दायरे में पूरी हो जाएं, इसे वर्तमान सरकार को अवश्य सुनिश्चित करना चाहिए।

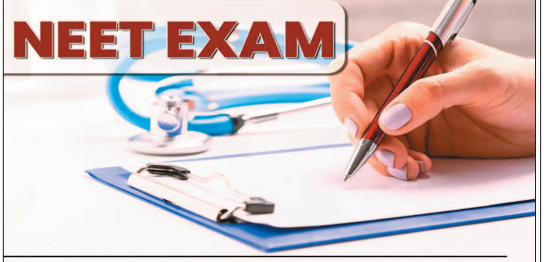

बच्चे गीली मिट्टी के समान होते हैं - जैसा आकार देंगे, वैसे ही बनेंगे- विधायक ललित चंद्राकर

शिक्षा से संस्कार, संस्कार से राष्ट्र निर्माण, तिरगा में आयोजित संकुल स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव में शामिल हुए दुर्ग ग्रामीण विधायक चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने संकुल केंद्र तिरगा में आयोजित संकुल स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव में शामिल होकर नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर, मुंह मीठा कराकर आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कक्षा पहली, कक्षा 6वीं व कक्षा 9वीं के नवप्रवेशी बच्चों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तक एवं शाला गणवेश प्रदान किया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों द्वारा रंगारग संस्कृति कार्यक्रम की अनुपम प्रस्तुति दी। साथ ही विभिन्न कक्षाओं में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभावान छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विधायक श्री चंद्राकर ने कहा, प्यारे बच्चों, आज से आपके जीवन का नया अध्याय शुरू हो रहा है। खूब मन लगाकर पढ़ाई करना, गुरुजनों का सम्मान करना और बड़े होकर माता-पिता व गांव का नाम रोशन करना। आप

सभी देश के भविष्य हैं। बच्चे गीली मिट्टी के समान होते हैं - जैसा आकार देंगे, वैसे ही बनेंगे। इसलिए मैं सभी पालकों से भी आग्रह करता हूं कि बच्चों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, अच्छे संस्कार भी प्रदान करें। मोबाइल से दूर रखकर खेल और पढ़ाई पर ध्यान दिलाएं।

उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जो बच्चों के सपनों को नई उड़ान देकर राष्ट्र निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध है। निःशुल्क गणवेश, पाठ्यपुस्तक, मध्यान्ह भोजन, छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं से कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, यही हमारा संकल्प है। विधायक ललित चंद्राकर ने विद्यालय में प्रवेश लेने वाले सभी विद्यार्थियों एवं उनके पालकों को नए शैक्षणिक सत्र की बधाई दी और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष लिकेश्वर देशमुख, सरपंच धसिया राम देशमुख, महामंत्री पुराण देशमुख, शाला विकास समिति अध्यक्ष युवराज देशमुख, सांसद प्रतिनिधि भूपेन्द्र बेलचंदन, पूर्व सरपंच भोथली सुरेश साहू, सोसाइटी अध्यक्ष देवसिंग ठाकुर, मोहन देशमुख सहित बड़ी संख्या में पालकगण, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

खास खबर

पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में वन अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका-राज्यपाल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका से छत्तीसगढ़ राज्य वन सेवा 2023 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने लोक भवन में सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी अधिकारियों को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में वन अधिकारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

राज्यपाल ने कहा कि जलवायु परिवर्तन आज विश्व की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है। वन अधिकारियों के पास कानून, संसाधन और अधिकार उपलब्ध हैं, जिनका प्रभावी उपयोग कर वे पर्यावरण संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रकृति के साथ अत्यधिक छेड़छाड़ के परिणामस्वरूप भूकंप, बाढ़ और सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाओं का खतरा बढ़ता है। इसलिए पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि मानव, पशु और प्रकृति के बीच संतुलन स्थापित करना सतत विकास का आधार है। राज्यपाल ने रेत के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि यह आधारभूत संरचना निर्माण के लिए आवश्यक खनिज है। राज्यपाल ने वृक्षारोपण को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान को गंभीरता से लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर पेड़ों के चारों ओर कंक्रीट का घेरा बना दिया जाता है, जिससे उनके विकास में बाधा आती है तथा वर्षा जल का भू-जल स्तर में समुचित पुनर्भरण नहीं हो पाता। ऐसे मामलों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वन अधिकारियों का कार्य कार्यालय में बैठना नहीं है बल्कि जंगलों में भ्रमण कर वनवासियों की समस्याओं को समझना और वनों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए नवाचारपूर्ण उपाय करना भी उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे जीवन में कोई ऐसा भी काम करें जो सेवा से जुड़ा हुआ हो चाहे वह पर्यावरण सुरक्षा, स्वच्छता, मानव सेवा जैसे कार्य हो सकते हैं। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सीआर प्रसन्ना, उप सचिव निधि साहू तथा छत्तीसगढ़ राज्य वन सेवा 2023 बैच के प्रशिक्षु अधिकारी उपस्थित थे।

एसआरसी कंपनी की चैन माउंटेड मशीन जब्त, मुरूम के अवैध उत्खनन मामले में कार्रवाई

रायपुर। खनिज के अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ कार्रवाई के लिए रायगढ़ जिले में संचालित अभियान के तहत खनिज विभाग ने ग्राम रोड़ोपाली में मुरूम और मिट्टी के अवैध उत्खनन का मामला पकड़ा है। उक्त मामले में एसआरसी कंपनी की चैन माउंटेड मशीन जब्त कर सील कर दी। कंपनी के खिलाफ छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 तथा खान एवं खनिज अधिनियम, 1957 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

समस्याओं पर विधायक राजेश मूणत सख्त, अधिकारियों को दिए समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश

स्वच्छता और रखरखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक राजेश मूणत ने महावीर उद्यान (अनुपम गार्डन) में क्षेत्र के वरिष्ठ एवं प्रबुद्ध नागरिकों के साथ विस्तृत जनसंवाद कर उद्यान की व्यवस्थाओं, नागरिक सुविधाओं एवं विकास संबंधी आवश्यकताओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

इस अवसर पर नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी, जोन अधिकारी, जनप्रतिनिधिगण तथा दीनदयाल उपाध्याय मंडल के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। जनसंवाद के दौरान वरिष्ठ नागरिकों ने उद्यान की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, खेल सुविधाओं, दीवारों की ऊंचाई, मवेशियों के अनियंत्रित प्रवेश तथा अन्य आधारभूत व्यवस्थाओं से संबंधित समस्याओं एवं सुझावों से विधायक मूणत को अवगत कराया। नागरिकों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए मूणत ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक कार्यों की काययीजना तैयार कर शीघ्र अमल में लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था में पाई गई कमियों पर मूणत ने संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए स्पष्ट कहा कि सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता और रखरखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

उन्होंने निर्देशित किया कि उद्यान परिसर की नियमित एवं प्रभावी सफाई सुनिश्चित की जाए तथा नागरिकों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। मूणत ने उद्यान की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए परिसर की चारदीवारी की ऊंचाई बढ़ाने, मवेशियों के प्रवेश को पूर्णतः रोकने हेतु छोटे प्रवेश द्वार (सुरक्षा गेट) स्थापित करने तथा उद्यान में आवश्यक खेल एवं मनोरंजन संबंधी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि उद्यान स्थित "बापू की कुटिया" सभी नागरिकों एवं वरिष्ठजनों के लिए पूर्ववत खुली एवं सुलभ रहे, जिससे सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को निरंतर प्रोत्साहन मिलता रहे। साथ ही नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उद्यान परिसर में वाहनों के नियंत्रित एवं सुव्यवस्थित प्रवेश की व्यवस्था बनाए रखने पर भी बल दिया गया। इस अवसर पर विधायक राजेश मूणत ने कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में उनकी प्राथमिकता केवल समस्याओं को सुनना नहीं, बल्कि उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है।

विधायक राजेश मूणत ने कहा कि "महावीर उद्यान केवल एक सार्वजनिक स्थल नहीं, बल्कि क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों, परिवारों एवं युवाओं के सामाजिक जीवन का महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां आने वाले प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधायुक्त वातावरण उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी है। आज प्रबुद्ध जनों द्वारा दिए गए सुझाव अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और उन पर प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाएगा। मैंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आवश्यक एस्टीमेट तैयार कर शीघ्र कार्य प्रारंभ करें। नागरिक सुविधाओं के मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनता का विश्वास और क्षेत्र का विकास ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।"

विश्व सिकल सेल दिवस पर जिला चिकित्सालय दुर्ग में जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

समापन समरोह में सिकल सेल रोग के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और समाज को स्वस्थ बनाने के संकल्प

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जिला चिकित्सालय दुर्ग में जागरूकता एवं जनभागीदारी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सिकल सेल रोग के प्रति लोगों को जागरूक करना, समय पर जांच और उपचार के महत्व को बताना तथा समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग शहर की महापौर अलका बाघमार उपस्थित रहीं। साथ ही जिला पंचायत सभापति प्रिया साहू, सीएमएचओ डॉ. मनोज दानी, जिला चिकित्सालय दुर्ग के सिविल सर्जन डॉ. आशिषन मिंज, अस्पताल कंसल्टेंट डॉ. ओ.पी. वर्मा सहित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अनेक अधिकारी और कमर्चारी शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सिकल सेल रोग की पहचान, बचाव, समय पर जांच तथा उपचार के महत्व पर जानकारी साझा की। उपस्थित लोगों को बताया गया कि जागरूकता और नियमित स्वास्थ्य जांच के माध्यम से इस आनुवंशिक बीमारी के प्रभाव को कम किया जा सकता है।

इस अवसर पर डॉ. जेपी चोनारकर, डॉ. विनीता ध्रुवे, जेएनएम प्राचार्य पुष्पा बांधे, मैट्रन चित्ररेखा बोरकर, फार्मेसी विभाग के एचओडी रमन गंधर्व, जिला समन्वयक डॉ. बैद्यनाथ देवनाथ, जेडीएस सदस्य विजय ताम्रकार, प्रमोद बाघ, ऋषि यादव तथा सिकल सेल संगवारी टीम के जिला कोऑर्डिनेटर गीता, सब-कोऑर्डिनेटर विरेन्द्र आदित्य, धर्मेंद्र तुरकाने, लक्ष्मी देवांगन, दुर्गा परतेती और हिमांशु चंद्राकर सहित लैब टेक्नीशियन, नर्सिंग छात्र-छात्राएं एवं अस्पताल कमर्चारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समापन सिकल सेल रोग के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और समाज को स्वस्थ बनाने के संकल्प के साथ किया गया।

छत्तीसगढ़ में तय मानकों के अनुसार लगाए जा रहे है स्मार्ट मीटर, गलत रीडिंग पर लगेगा विराम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

विद्युत वितरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी आधुनिक और उपभोक्ता हितैषी बनने की पहल

स्मार्ट मीटर किसी राज्य सरकार की अलग योजना नहीं, बल्कि भारत सरकार की पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना के तहत पूरे देश में लागू की गई राष्ट्रीय पहल है। इसी योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों और निर्धारित मानकों के अनुसार छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों में स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। राज्य सरकार इस केंद्रीय योजना का क्रियान्वयन करते हुए विद्युत वितरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, आधुनिक और उपभोक्ता हितैषी बनाने की दिशा में कार्य कर रही है।

केंद्र सरकार ने जुलाई 2021 में देशभर में स्मार्ट मीटरिंग योजना लागू करने का निर्णय लिया था। इसका उद्देश्य बिजली वितरण कंपनियों की कार्यक्षमता बढ़ाना, तकनीकी एवं वाणिज्यिक हानियों में कमी लाना, बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता सुधारना तथा उपभोक्ताओं को सटीक बिलिंग की सुविधा उपलब्ध कराना है। छत्तीसगढ़ में स्मार्ट मीटर परियोजना लागू करने का निर्णय पूर्ववर्ती सरकार वर्ष 2022 में लिया गया था।

परियोजना के लिए टेंडर जारी होने और कार्यादेश दिए जाने के बाद फरवरी 2024 से स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य प्रारंभ हुआ। वर्तमान में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पूर्व में जारी निविदाओं, अनुबंधों और कार्यादेशों के आधार पर ही परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

प्रदेश में लगभग 55 लाख उपभोक्ताओं के लिए स्मार्ट मीटर लगाए जाने का लक्ष्य है, जिनमें से करीब 40 लाख मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं को कई सुविधाएं मिल रही हैं। बिजली की खपत का आंकड़ा हर 30 मिनट में उपलब्ध होता है, जिससे उपभोक्ता अपने उपयोग पर बेहतर निगरानी रख सकते हैं। मीटर रीडर द्वारा गलत रीडिंग दर्ज होने की संभावना समाप्त हो जाती है और बिलिंग अधिक सटीक होती है।

इसके अलावा स्मार्ट मीटर के माध्यम से बिजली भार, वोल्टेज और ऊर्जा खपत सहित अन्य तकनीकी आंकड़े वास्तविक समय में प्राप्त होते हैं। इससे विद्युत वितरण कंपनी को नेटवर्क की स्थिति का लगातार विश्लेषण करने, ओवरलोडिंग, वोल्टेज में उतार-चढ़ाव अथवा आपूर्ति संबंधी समस्याओं की समय रहते पहचान कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करने में सुविधा मिलती है। इसका लाभ अंततः उपभोक्ताओं को अधिक विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति के रूप में मिलता है। ऊर्जा विभाग का कहना है कि स्मार्ट मीटरिंग का उद्देश्य उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ डालना नहीं, बल्कि बिजली वितरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और तकनीक आधारित बनाना है। यह पूरी प्रक्रिया केंद्र सरकार की योजना और उसके दिशा-निर्देशों के अनुरूप संचालित की जा रही है।

महाराष्ट्र सरकार अपनाएगी छत्तीसगढ़ का धान खरीदी मॉडल : डॉ. परिणय फुके

धान खरीदी सरकार के लिए फायदे का नहीं, बल्कि किसानों का हित ही एक मात्र उद्देश्य : खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की धान खरीदी व्यवस्था के अध्ययन करने आए महाराष्ट्र सरकार के विधायक प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के दल ने कहा कि यहां के धान खरीदी मॉडल का विस्तृत रूप से अध्ययन कर इस पूरी प्रणाली को महाराष्ट्र सरकार को भी अपनाने के लिए सुझाव देंगे। विधायक दल समिति के अध्यक्ष डॉ परिणय फुके ने कहा कि छत्तीसगढ़ की धान खरीदी व्यवस्था की इस प्रणाली को अपनाने के लिए सरकार को भी रिपोर्ट सौपेंगे। छत्तीसगढ़ की धान खरीदी वास्तव में किसान हितैषी है। प्रतिनिधियों ने किसानों के पंजीयन से लेकर विक्रय तक की व्यवस्थाएं जैसे ऑनलाईन टोकन व्यवस्था, इलेक्ट्रानिक तौल, सिस्टमेटिक मॉनिटरिंग, बारदाना खरीदी, नजदीकी धान उर्पाजन केन्द्रों सहित धान खरीदी व्यवस्था में लिकेज और गड़बड़ी को रोकने के लिए शुरू की गई इंटिग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की प्रशंसा की।

गौरतलब है कि खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयाल दास बघेल की अध्यक्षता में अटल नगर नवा रायपुर स्थित नवीन विश्राम भवन के कॉन्फ्रेंस हाल में छत्तीसगढ़ धान खरीदी प्रणाली की अध्ययन करने महाराष्ट्र से आए विधायकों एवं अधिकारियों के प्रतिनिधि मंडल के साथ बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल ने कहा कि धान खरीदी सरकार के लिए फायदे का सौदा नहीं बल्कि किसानों का हित ही एक मात्र उद्देश्य है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार किसानों को सहूलियत प्रदान करने के लिए तत्परता के साथ कार्य कर रही है। हमारी सरकार द्वारा लिए गए नीतिगत फैसलों से प्रदेश के किसानों की आर्थिक समृद्धि बढ़ी है और रहन-सहन में बदलाव हुआ है। उन्होंने धान खरीदी व्यवस्था के संबधों में विस्तार से जानकारी दी।

बैठक में धान खरीदी व्यवस्था पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। चर्चा के दौरान मंत्री श्री बघेल ने छत्तीसगढ़ में धान खरीदी व्यवस्था, किसानों के हित में संचालित योजनाओं, कृषि क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। मंत्री श्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है और यहां की बड़ी आबादी खेती-किसानी पर निर्भर है। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस मौके पर उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को स्मृति-चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया।

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने बताया कि धान खरीदी सरकार के लिए कोई फायदा का सौदा नहीं हैं, बल्कि सरकार की प्राथमिकता में हैं। धान खरीदी व्यवस्था पूरी तरह किसानों के हित से जुड़ी हुई हैं। श्री बघेल ने बताया कि प्रदेश में किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में लगभग 141 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया गया है, जो देश में धान खरीदी के सबसे बड़े अभियानों में से एक है। उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधा के लिए प्रदेशभर में लगभग 2740 धान उपार्जन केंद्र संचालित हैं।

प्रतिनिधिमंडल को खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने कृषक उन्नति योजना सहित राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार खेती को अधिक लाभकारी बनाने तथा किसानों की आय में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। कृषि के साथ-साथ पशुपालन, मत्स्य पालन और अन्य आयवर्धक गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण परिवारों की आमदनी में वृद्धि हो रही है।

चर्चा के दौरान महाराष्ट्र के विधायक प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने बताया कि छत्तीसगढ़ से लगे महाराष्ट्र के चार जिलों में बड़ी संख्या में किसान धान की खेती करते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की धान खरीदी व्यवस्था, किसानों को मिलने वाला समर्थन और प्रशासनिक प्रबंधन अत्यंत प्रभावी एवं अनुकरणीय है। राज्य में किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य उपलब्ध कराने तथा खरीदी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए किए गए प्रयास सराहनीय हैं।

प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि छत्तीसगढ़ का धान खरीदी मॉडल किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण का सफल उदाहरण है। उन्होंने इस मॉडल के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन कर महाराष्ट्र के धान उत्पादक क्षेत्रों में भी ऐसे प्रयासों को आगे बढ़ाने की बात कही। इस अवसर पर महाराष्ट्र के विधायक डॉ. परिणय फुके, विनोद अग्रवाल, राजू कारेमोरे एवं संजय पुराम, छत्तीसगढ़ मार्कफेड के अध्यक्ष शशिकांत द्विवेदी, एमडी मार्कफेड जितेन्द्र शुक्ला सहित छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

इस शर्त पर 'गदर 3' बनाएंगे फिल्ममेकर अनिल शर्मा

फिल्ममेकर अनिल शर्मा का कहना है कि जैसे ही उनके हाथ 'गदर : एक प्रेम कथा' की स्क्रिप्ट आई, उन्हें उसी वक्त एहसास हो गया था कि यह फिल्म भारत की सबसे बड़ी हिट बन सकती है। 25 साल बाद, कई रिकॉर्ड बनाने और एक हिट फ्रेंचाइज बनने के बाद भी अनिल शर्मा खुद को खुशकिस्मत मानते हैं कि यह फिल्म आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है।

इंटरव्यू में अनिल शर्मा ने फिल्म को याद करते हुए कहा, 'जिस दिन फिल्म के राइटर शक्तिमान तलवार ने मुझे इसकी कहानी सुनाई, उसी दिन मुझे समझ आ गया था कि यह भारत की सबसे बड़ी हिट फिल्म बन सकती है, और ऐसा हुआ भी। 'मदर इंडिया', 'मुगल-ए-आजम' और 'शोले' मेरी पसंदीदा फिल्में रही हैं, और मैंने कोशिश की कि यह फिल्म भी उसी लेवल की बने। यह फिल्म टॉप फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई। ब्लॉकबस्टर कमाई के अलावा, इस फिल्म को करीब 10 करोड़ दर्शकों ने देखा, जो आज तक कोई फिल्म हासिल नहीं कर पाई। यहां तक कि 'गदर 2' का फुटफॉल भी इसका आधा ही था।'

लगान से टक्कर पर फिल्ममेकर का बयान

रिलीज के दिन 'लगान' से टक्कर पर वह कहते हैं, 'आज हम कहते हैं कि 'लगान' से मुकाबला था, लेकिन उस समय ऐसा कुछ नहीं था। उस दौर में दो-तीन बड़ी फिल्में एक साथ रिलीज होती थीं और सभी अच्छा चलती थीं। लोग एक फिल्म देखने के बाद दूसरी फिल्म भी देखने जाते थे। वो मार्केटिंग का नहीं, दिल का दौर था।' कास्टिंग को लेकर अनिल शर्मा कहते हैं, 'लोग पूछते हैं कि क्या कोई और विकल्प था, लेकिन सनी देओल, अमरीश पुरी या बाकी कलाकारों के लिए हमारे पास दूसरा कोई विकल्प था ही नहीं।'

क्या 'गदर 3' बनेगी

गदर 3 बनने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'जब उत्कर्ष बड़ा हुआ तो लोग कहने लगे कि जीते की कहानी लाओ। लेकिन मेरे लिए अगर 'गदर' एक बम थी, तो 'गदर 2' के लिए मुझे एटम बम जैसी कहानी चाहिए थी, और उसने इतिहास बना दिया। अब अगर मुझे न्यूक्लियर बम जैसी कहानी मिलेगी, तभी मैं 'गदर 3' बनाऊंगा। हम इसकी स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं और अगर सब सही रहा तो अगले साल इसकी शूटिंग शुरू हो सकती है।' बता दें कि पहले पार्ट में सनी देओल, अमीषा पटेल और अमरीश पुरी मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म 15 जून 2001 को आमिर खान की 'लगान' के साथ रिलीज हुई थी।

क्या 'कल्कि 2989 एडी 2' में आलिया भट्ट ने ली दीपिका पादुकोण की जगह

बॉलीवुड फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल को लेकर फैंस के बीच उत्सुकता बनी हुई है। हाल ही में फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दीपिका के फिल्म से अलग होने के बाद आलिया भट्ट की इसमें एंट्री हुई है। आलिया के किरदार को लेकर भी तमाम अटकलें लग रही हैं।

सोशल मीडिया पर आलिया के किरदार को लेकर लगी अटकलें

अभी तक फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के मेकर्स ने आलिया भट्ट के नाम को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। लेकिन सोशल मीडिया पर चर्चा है कि आलिया भट्ट फिल्म में वैष्णो देवी का किरदार निभा सकती हैं। वह फिल्म में सुमति (दीपिका पादुकोण का किरदार) के बच्चे की रक्षा करेंगी।

क्या आलिया ने शुरू कर दी शूटिंग

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया भट्ट ने नाग अश्विन निर्देशित इस साइंस-फिक्शन और माइथोलॉजिकल फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, कुछ सीन्स उन्होंने शूट किए हैं। आलिया के फैंस जरूर इस बात को लेकर खुश है कि वह 'कल्कि 2898 एडी' का हिस्सा बन रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म से जुड़े एक व्यक्ति ने कहा है कि फिलहाल आलिया की कास्टिंग को लेकर कुछ भी तय नहीं हुआ है।

दीपिका पादुकोण क्यों हुई फिल्म से अलग?

गौरतलब है कि 'कल्कि 2898 एडी' में दीपिका पादुकोण ने बेहद अहम भूमिका निभाई थी। उनका किरदार कहानी की केंद्न माना गया था। सीक्वल में भी उसके बड़े विस्तार की उम्मीद थी लेकिन सितंबर 2025 में निर्माताओं ने बयान जारी कर बताया कि दीपिका अब फिल्म के दूसरे भाग का हिस्सा नहीं होंगी। मेकर्स ने अपने बयान में कहा था कि आपसी सहमति और काफी विचार-विमर्श के बाद दोनों पक्षों ने अलग रास्ते चुनने का फैसला किया है।

फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' पर दर्शकों की प्रतिक्रिया पर बोले इम्तियाज अली

फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' सिनेमाघरों में लगी है। इसमें दिलजीत दोसांझ, शरवरी, नसीरुद्दीन शाह और वेदांग रैना जैसे सितारे हैं। हाल ही में इम्तियाज अली ने फिल्म की कहानी और युवाओं के इस फिल्म से जुड़ने को लेकर बात की। इम्तियाज अली का कहना है कि वे जब भी अखबार उठाते, तो उन्हें पता होता था कि वे विस्थापन और तबाही की सुर्खियों को बंटवारे की अपनी कहानी से जोड़ना चाहते हैं। उन्होंने इस सोच को 'मैं वापस आऊंगा' फिल्म में साकार किया। यह फिल्म अतीत से वर्तमान और उपमहाद्वीप से लेकर बाकी दुनिया तक का सफर तय करती है।

दर्शकों की प्रतिक्रिया सबसे बड़ा तोहफा

इम्तियाज अली ने एक इंटरव्यू में कहा, 'मैं लगातार पढ़ रहा था कि कहीं तबाही मची है, कहीं लड़ाई हो रही है और बहुत से लोग बेघर होकर शरणार्थी बन रहे हैं और अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मैं यह सोचे बिना नहीं रह सका कि बंटवारे के समय भी ठीक ऐसा ही हुआ था'। हालिया रिलीज फिल्म को मिला रिस्पॉन्स शायद उनके लिए जन्मदिन का सबसे बड़ा तोहफा है। युवा दर्शक शांति से बैठकर फिल्म और उसकी कहानी जुड़ रहे हैं, जिसमें एक 95 वर्षीय बुजुर्ग सरहद के उस पार छूटे अपने प्यार को याद कर रहा है।

युवाओं को पसंद आ रही फिल्म

'जब वी मेट', 'रॉकस्टार', 'लव आज कल' और 'अमर सिंह चमकीला' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके इम्तियाज अली इन दिनों 'मैं वापस आऊंगा' के लिए दर्शकों की प्रतिक्रिया जानने के लिए सिनेमाघरों का दौरा कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह एक संतोषजनक अनुभव रहा है। उन्होंने कहा, 'ऐसा लग रहा है कि मैं जो कहना चाहता था, वह लोगों तक पहुंच गया है। मैंने कभी दर्शकों को फिल्म इतनी शांति से देखते हुए नहीं देखा। मेरी सभी सफल फिल्मों में भी, लोगों की आदत होती है कि वे इधर-उधर हिलते-डुलते रहते हैं। इस बार, वे सच में ध्यान दे रहे हैं, युवा लोग ध्यान दे रहे हैं। वे इतनी बड़ी संख्या में आ रहे हैं और फिल्म को इतना पसंद कर रहे हैं'।

इस फिल्म को क्यों बताया जरूरी

रिश्तों पर अपनी खास समझ के लिए मशहूर डायरेक्टर इस बात से बहुत खुश हैं कि कहानी का मुख्य हिस्सा 'आत्मीयता और स्नेह', युवाओं को पसंद आया है। निर्देशक ने कहा, 'मैंने कई बार कहा है कि आज की पीढ़ी को थोड़ा खोया-खोया सा महसूस होता है, क्योंकि उन्हें ऐसा प्यार नहीं मिल पाता जो लंबे समय तक चले। इसे वे अपने दिल में संजोकर रख सकें, जैसे पुराने जमाने का प्यार या पुराना संगीत। वह चाहत, वह तड़प, किसी एक इंसान का साथ और उसके साथ रहना। वे इन चीजों से जुड़ाव महसूस कर रहे हैं'। उन्होंने कहा कि यह फिल्म अलग-अलग पीढ़ियों के बीच के उन रिश्तों को खोजने के बारे में है, जिन्हें समझना हमारे आज के लिए जरूरी है।

इंसानियत को महसूस करें लोग

इम्तियाज अली चाहते हैं कि बंटवारे की कहानी के जरिए फिल्म देखने वाले लोग अपनी इंसानियत को महसूस करें। उन्होंने कहा, 'मैं यह कहना चाहता हूं कि इतिहास सिर्फ गुजरे हुए समय की कोई घटना नहीं है। यादें एक ऐसी नदी हैं, जो दोनों तरफ बहती हैं। मैं माइकल जैक्सन की बात दोहराना चाहता हूं। उन्होंने कहा था, 'मैं शुरुआत आईने में दिख रहे इंसान से कर रहा हूं। मैं उससे अपने तौर-तरीके बदलने के लिए कह रहा हूं'।

अमाल मलिक के साथ तुलना पर क्या बोलीं तान्या मित्तल?

तान्या मित्तल अपने सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के साथ अक्सर बातचीत करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अमाल मलिक से उनकी तुलना करने पर रिएक्शन दिया है। बता दें कि 'बिग बॉस 19' शो के दौरान तान्या और अमाल मलिक के बीच अच्छी दोस्ती देखने को मिली थी, लेकिन बाद में दोनों के रिश्ते में खटास आ गई। अब शो खत्म हो चुका है और दोनों अपने-अपने काम में व्यस्त हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर उनके फैंस के बीच अक्सर बहस देखने को मिलती है। हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक ऋ (आस्क मी एनीथिंग) सेशन के दौरान तान्या ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की। जब एक फैन ने उनसे पूछा कि अब उनकी अमाल से क्या बातचीत होती है, तो तान्या ने कहा, 'मेरी अमाल से कोई बात नहीं होती। मैं नहीं चाहती कि आप लोग मेरी और अमाल की तुलना करें। प्लीज। मुझे समझ आता है कि उनका मैनेजर या उनका फैनडम मेरे खिलाफ इतना क्यों बोलता है। क्योंकि मैं जानती हूं कि ये इंडस्ट्री कैसी है।'

हमारा कोई मुकाबला नहीं है

उन्होंने आगे कहा, 'वो पिछले 10 साल से इंडस्ट्री में हैं। उन्होंने 'कबीर सिंह' से लेकर कई बड़े प्रोजेक्ट्स में काम किया है। और मैं कौन हूं? मैं तो बस 6 महीने पहले आई हूं। तो लोगों को लगेगा ही कि मुझे इतनी अहमियत क्यों दी जा रही है। लेकिन अमाल ऐसे नहीं हैं। मैं उनके साथ 100 दिन रही हूं, वो बहुत अच्छे इंसान हैं। हमारा कोई मुकाबला नहीं है। अमाल सुपरस्टार हैं। मेरे लिए वो बहुत बड़े स्टार हैं, पहले इसलिए क्योंकि वो मेरे दोस्त थे और दूसरा इसलिए क्योंकि वो अमाल मलिक हैं।'

तान्या ने इस दौरान भाग्यश्री और गुल्लू के साथ अपने रिश्ते को लेकर चल रही अफवाहों को भी खारिज कर दिया और कहा कि उनके बीच कोई मनमुटाव नहीं है। इन दिनों तान्या कुकिंग रियलिटी शो 'मां है ना' में नजर आ रही हैं, जिसे शिल्पा शेट्टी होस्ट कर रही हैं। इस शो में सुनीता आहूजा अपनी बेटी टीना आहूजा के साथ, उर्वशी ढोलकिया अपने बेटे क्षितिज ढोलकिया के साथ, गुल्लू अपनी मां मुनेश तनवर के साथ और भाग्यश्री शर्मा अपनी मां रिंजू शर्मा के साथ नजर आ रही हैं।

हॉलीवुड की नकल से भारतीय सिनेमा आगे नहीं बढ़ेगा

भारत में अगर किसी कलाकार को छोटा सा भी हॉलीवुड प्रोजेक्ट मिल जाए, तो उसे बड़ी कामयाबी मान लिया जाता है। लेकिन मनोज बाजपेयी की सोच इससे बिल्कुल अलग है। उनका मानना है कि हम आज भी इस सोच से बाहर नहीं निकल पाए हैं कि पश्चिम जो कर रहा है, वही सबसे बेहतर है।

हम आज भी कॉलोनियल मानसिकता से बाहर नहीं आए

बातचीत में मनोज बाजपेयी ने कहा, 'देखिए, वो एक मानसिकता है, जिसका शिकार हम हमेशा से रहे हैं। एक तरह की कॉलोनियल मानसिकता, जिसे हम आज तक पूरी तरह छोड़ नहीं पाए हैं। हमें हमेशा लगता है कि जो वो कर रहे हैं, वही बेहतर है...वही बड़ा है। हम लगातार उसी से मुकाबला करने की कोशिश करते रहते हैं।'

हॉलीवुड फिल्म मिलना ही बड़ी कामयाबी नहीं

आज इंडस्ट्री में कई कलाकार विदेशी प्रोजेक्ट को बड़ी सफलता मानते हैं। लेकिन मनोज बाजपेयी ने बताया कि उन्होंने कई बार हॉलीवुड के ऑफर ठुकरा दिए, क्योंकि काम उन्हें पसंद नहीं आया। उन्होंने कहा, 'बहुत बार हुआ है। अच्छे रोल्स नहीं आते हैं। और जब अच्छी फिल्में नहीं बन रही होती हैं, तो उसी तरह के लोग संपर्क करते हैं जो वहां भी बहुत अच्छा नहीं कर रहे होते। कुछ बड़े प्रोजेक्ट्स में बात बनते-बनते रह गई, लेकिन उसके बारे में क्या बात करनी।'

अगर कभी किताब लिखी, तो इसी पर लिखूंगा

मनोज बाजपेयी का कहना है कि अगर कभी उन्हें कुछ गंभीरता से लिखने का मौका मिला, तो वह भारतीय कलाकारों पर हॉलीवुड के असर को ही विषय बनाएंगे। उन्होंने कहा, 'अगर कभी शिद्दत के साथ कुछ लिखना चाहूंगा, तो मैं इस बात पर लिखना चाहूंगा कि एक भारतीय अभिनेता कैसे पूरी तरह अमेरिकी या हॉलीवुड से प्रभावित एक्टिंग के असर से बच सकता है। क्योंकि हमारे यहां जो गंभीर क्रिटिक्स हैं, वो भी अक्सर अच्छी एक्टिंग का रेफरेंस हॉलीवुड को ही मानते हैं। जैसे अच्छी एक्टिंग का एक ही पैमाना हो। लेकिन ऐसा नहीं है। एक्टिंग के बहुत सारे रास्ते हैं... बहुत सारे ट्रैक हैं, और उनमें से किसी एक को ही अंतिम सच नहीं माना जा सकता।'

हमारे यहां एक्टिंग को लेकर सोच गलत है

मनोज बाजपेयी का मानना है कि भारत में अक्सर अंग्रेजी फिल्मों जैसी एक्टिंग को ही अच्छा अभिनय समझ लिया जाता है, जबकि यहां के लोगों का तरीका और व्यवहार बिल्कुल अलग है। उन्होंने कहा, 'मेरी दिक्कत ये है कि एक्टिंग के नाम पर ज्यादातर लोग अंग्रेजी फिल्मों में जो देखते हैं, उसी को अच्छी एक्टिंग मान लेते हैं। लेकिन भारतीय अभिनय इसलिए अलग है क्योंकि यहां के लोगों के एक्सप्रेशन अलग हैं, बातचीत करने का तरीका अलग है, व्यवहार अलग है।'

मेरी फिल्मों में आपको हिंदुस्तानी आदमी दिखेगा

मनोज कहते हैं कि उन्होंने हमेशा कोशिश की कि उनके किरदार पूरी तरह भारतीय लगें, किसी विदेशी स्टाइल की कॉपी नहीं। उन्होंने कहा, 'मैं लगातार इसी सोच पर काम करता रहा हूं। इसलिए अगर आप मेरी ज्यादातर फिल्में देखेंगे, तो आपको उनमें एक हिंदुस्तानी आदमी दिखाई देगा। वो ऐसा बिल्कुल नहीं लगेगा कि किसी और देश का किरदार निभाया जा रहा है और सिर्फ उसका नाम भारतीय रख दिया गया है। इसी वजह से 'सत्या', 'शूल' या खासकर 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' जैसी फिल्में इतनी खास हैं। ये बहुत खालिस भारतीय फिल्में हैं। उनके किरदार, उनके परफॉर्मेंस, उनकी भाषा, उनका व्यवहार- सब कुछ भारतीय समाज से निकलकर आता है। जब भी आप इस तरह की फिल्म बनाएंगे, तो उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिलेगी, क्योंकि उसमें अपनी अलग पहचान होगी।'

नए एक्टर्स को मनोज की सलाह

नई पीढ़ी के कलाकारों को मनोज बाजपेयी ने साफ कहा कि एक्टिंग सीखने के लिए बाहर देखने की जरूरत नहीं है। सबसे पहले अपने आसपास के लोगों को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा, 'बिल्कुल। बेसिक ग्रामर तो आप सीख सकते हैं। उसके लिए आपको बहुत दूर जाने की जरूरत भी नहीं है। बस अपने आसपास के लोगों को देखिए, अपनी जिंदगी को देखिए। कोई भी आदमी यहां हॉलीवुड के किसी एक्टर या एक्ट्रेस की तरह बात नहीं करता। यही सबसे बुनियादी बात है। आप जिस परिवार से आते हैं, जिन लोगों के बीच बड़े हुए हैं, उनका व्यवहार देखिए। लोग एक-दूसरे से कैसे बात करते हैं, कैसे रिएक्ट करते हैं।'

जिपं अध्यक्ष, जिला भाजपा अध्यक्ष सहित जनप्रतिनिधियों ने प्रदर्शनी का किया अवलोकन

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हुए परिवर्तनकारी कार्यों को प्रभावी ढंग से किया गया है प्रदर्शित, सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों की झलक से रूबरू हो रहे नागरिक

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

प्रधानमंत्र नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार के 12 वर्ष विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनसंपर्क विभाग द्वारा 18,19 एवं 20 जून 2026 तक तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। प्रदर्शनी जिला मुख्यालय के फौव्वारा चौक में आयोजित की गई है। प्रदर्शनी के माध्यम से देश में हुए ऐतिहासिक विकास कार्यों, विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, आत्मनिर्भर भारत अभियान तथा विकसित भारत-2047 की संकल्पना को आकर्षक छायाचित्रों एवं जानकारीपरक सामग्री के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है।

फोटो प्रदर्शनी का शुभारंभ आज ग्राम कांडे निवासी शिल्पकार हरीश चन्द्र विश्वकर्मा द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नम्रता सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष दिलीप वर्मा, रमेश हिड़ामें, अनिल गुप्ता, सैयद अजहरुद्दीन, राजीव तिवारी, अंबर गुप्ता, अमित श्रीवास, धनंजय पांडे, पुलकित खंडेलवाल, मोनू वर्मा, देव प्रसाद नेताम, अनुराग कन्नौजे, कोमल राजपूत, खलील कुरैशी, सुनील पीले, गोपाल कौशिक सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं तथा उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त की। प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुए परिवर्तनकारी कार्यों को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया गया है। इसमें गरीब कल्याण, किसान हितैषी योजनाएं, महिला सशक्तिकरण, युवा विकास, बुनियादी अधोसंरचना, आत्मनिर्भर भारत तथा विकसित भारत-2047 जैसे विषयों को प्रमुखता से स्थान दिया गया है, जो आमजन के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

जिला पंचायत अध्यक्ष नम्रता सिंह ने प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि बीते 12 वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहे हैं। इन वर्षों में देश ने विकास और प्रगति के अनेक नए आयाम स्थापित किए हैं, जिन्हें आज प्रत्येक नागरिक अपने जीवन में अनुभव कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में उनके 12 वर्ष पूर्ण होना देश के लिए गौरव का विषय है। सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचा है तथा विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व विकास कार्य संपादित हुए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को इस उपलब्धि पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं, एवं आमजनों से प्रदर्शनी का अवलोकन कर योजनाओं की जानकारी लेने का आग्रह किया।

अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर केंद्र एवं राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त की। प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश में हुए परिवर्तनकारी कार्यों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है। इसमें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को प्रदान की गई आर्थिक सहायता, कृषि क्षेत्र में सुधार, ई-नाम प्लेटफॉर्म के माध्यम से कृषि विपणन को बढ़ावा, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, जनधन योजना, डिजिटल इंडिया अभियान, लखपति दीदी योजना तथा विकसित भारत संकल्प अभियान जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं की उपलब्धियों को दर्शाया गया है। प्रदर्शनी स्थल पर स्थापित एलईडी स्क्रीन के माध्यम से शासन की योजनाओं, विकास कार्यों और जनहितकारी पहलों पर आधारित वृत्तचित्रों का प्रदर्शन किया जा रहा है, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

फोटो प्रदर्शनी में देश की आधारभूत संरचना को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाले कार्यों को भी विशेष स्थान दिया गया है। इसमें विश्व के सबसे ऊंचे चिनाब रेलवे ब्रिज, समुद्र पर निर्मित अटल सेतु, राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के विस्तार, वंदे भारत ट्रेनों, सेमीकंडक्टर निर्माण, डिजिटल क्रांति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में देश की सुरक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए किए गए कार्यों को भी दर्शाया गया है। स्वदेशी रक्षा उत्पादन, रक्षा निर्यात में रिकॉर्ड वृद्धि तथा आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत रक्षा क्षेत्र में हुए नवाचारों की जानकारी आमजन को दी जा रही है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास परियोजनाओं तथा हितग्राहियों की प्रेरक सफलता की कहानियों को भी प्रदर्शनी में शामिल किया गया है। प्रदर्शनी स्थल पर स्थापित एलईडी स्क्रीन के माध्यम से विकास परियोजनाओं और जनहितकारी योजनाओं पर आधारित वृत्तचित्रों का प्रदर्शन किया गया है। जिसने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। युवा, बच्चे, बड़े बुजुर्ग, महिलाएं, सभी आयु वर्ग के लोगो ने छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन कर सराहना की ।

जनसंपर्क विभाग द्वारा इस अवसर पर जनमन पत्रिका, सुशासन के नवीन आयाम सहित विभिन्न प्रचार-प्रसार सामग्री का भी निःशुल्क वितरण किया जा रहा है। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों, महिला स्व-सहायता समूहों, युवाओं, किसानों और आम नागरिकों की विशेष भागीदारी देखने को मिल रही है। जिला प्रशासन एवं जनसंपर्क विभाग ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में प्रदर्शनी का अवलोकन कर केंद्र एवं राज्य शासन की जनहितकारी योजनाओं, विकास कार्यों तथा देश की उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त करें और इस जनजागरूकता अभियान का हिस्सा बनें।

खास खबर

राजनांदगांव में आवारा कुत्तों का आतंक : 5 वर्षीय मासूम पर झुंड ने किया हमला

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राजनांदगांव शहर के सनसिटी एनएक्स कॉलोनी में आवारा कुत्तों के झुंड ने एक पांच वर्षीय बच्चे पर हमला कर दिया। यह घटना गुरुवार शाम को हुई, जिसमें बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। बच्चे का इलाज फिलहाल अस्पताल में जारी है।

बच्चा कॉलोनी में शाम के समय खेल रहा था तभी तीन से चार आवारा कुत्तों ने उसे घेर लिया। कुत्तों ने बच्चे को जमीन पर गिराकर घसीटा और कई जगह बुरी तरह काटा। वीडियो में कुत्ते बच्चे को दौड़ाते और हमला करते हुए साफ दिख रहे हैं। इस दौरान पास खड़े एक व्यक्ति ने साहस दिखाते हुए बच्चे को कुत्तों से बचाया। बच्चे के पैरों, जांघों और पीठ के निचले हिस्से पर गंभीर घाव हुए हैं। हमले के बाद बच्चे के शरीर पर कई जख्म के निशान हैं। शहर में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार देखा जा रहा है। कुत्तों के काटने की घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं।

सीसीटीवी में कैद हुई घटना

यह पूरी घटना सिटी कोतवाली थाना अंतर्गत सनसिटी एनएक्स कॉलोनी में हुई। पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कुत्तों द्वारा बच्चे पर हमला करने का पूरा दृश्य रिकॉर्ड हो गया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कुत्तों का आतंक स्पष्ट दिख रहा है। स्थानीय लोगों में आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक को लेकर चिंता है।

नवनियुक्त आरक्षकों को सेवा, अनुशासन, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के संबंध में किया मार्गदर्शन

बेमेतरा। पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के द्वारा आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय बेमेतरा में छत्तीसगढ़ जिला पुलिस बल आरक्षक संवर्ग 2023-24 आरक्षक भर्ती के अंतर्गत दुर्ग रेंज में बेमेतरा जिले के रिक्त आरक्षक (जीडी) पद पर प्रतीक्षा सूची से चयनित नवनियुक्त आरक्षकों के दस्तावेजों एवं चरित्र सत्यापन उपरांत उन्हें नियुक्ति पत्र प्रदान कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर 12 नवनियुक्त आरक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू ने चयनित नवनियुक्त आरक्षकों को पूरी ईमानदारी, अनुशासन एवं निष्ठा के साथ आम जनता की सेवा करने हेतु प्रेरित किया तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने नवनियुक्त आरक्षकों को सेवा, अनुशासन, समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने का संदेश देते हुए पुलिस सेवा के उद्देश्य के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया। नियुक्ति आदेश प्राप्त करने वाले 12 नवनियुक्त आरक्षकों पालन सिंह, पुरूषोत्तम, मुकेश कुमार, परमेन्द्र कुमार, रोहित, पंचराम, संजू, राधिका सोनकर, भारती, तरूण कुमार, जितेन्द्र कुमार बंजारे, करिश्मा में उत्साह और गर्व का माहौल देखने को मिला। अब तक कुल 87 नवनियुक्त आरक्षकों को नियुक्ति आदेश प्रदान किया गया है। कार्यक्रम के दौरान डीएसपी राजेश कुमार झा, डीएसपी श्रीमती कौशिल्या साहू, मुख्य लिपिक उप निरीक्षक (अ) हरिओम विश्वकर्मा, स्टेनो संतोष सोनवानी, उप निरीक्षक (अ) प्रदीप देशमुख, सउनि (अ) महेन्द्र भूआर्य, अजय देवांगन, प्रवीण लोहले, सउनि विष्णु सप्रे, आरक्षक अमरदीप लहरे, योगेश्वर वर्मा, फत्ते पाटिल, कमलेश साहू, उमेश वहरिया, अमीर खान सहित पुलिस कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री की पहल से दिव्यांग जीवराखन पटेल को मिली स्कूटी, एक दिन में पूरी हुई मांग

त्वरित पहल से आवागमन और व्यवसाय दोनों को मिली नई दिशा

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

संवेदनशील जनसेवा और त्वरित समाधान की मिसाल पेश करते हुए उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने दिव्यांग हितग्राही की मांग को केवल सुना ही नहीं, बल्कि एक दिन के भीतर पूरा भी कराया। ग्राम लाड़नपुर निवासी दिव्यांग जीवराखन पटेल ने आवागमन और रोजगार में हो रही कठिनाइयों को लेकर स्कूटी की मांग रखी थी, जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अगले ही दिन उन्हें स्कूटी उपलब्ध कराई गई। आज कवर्धा विधायक कार्यालय में उप मुख्यमंत्री ने जीवराखन पटेल को स्कूटी प्रदान की।

नेऊरगांव खुर्द में हुई मुलाकात, अगले दिन समाधान

कबीरधाम जिले के ग्राम नेऊरगांव खुर्द में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान ग्राम लाड़नपुर निवासी दिव्यांग जीवराखन पटेल ने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा से मुलाकात कर आवागमन में होने वाली कठिनाइयों के बारे में बताया था। उन्होंने अपनी दैनिक गतिविधियों और रोजगार से जुड़े कार्यों में सुविधा के लिए सहायक उपकरणयुक्त स्कूटी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। उप मुख्यमंत्री ने उनकी समस्या को गंभीरता से सुना और तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश।उनकी संवेदनशील पहल का परिणाम रहा कि सिर्फ एक दिन के भीतर जीवराखन पटेल को विधायक कार्यालय, कवर्धा में स्कूटी प्रदान कर दी गई।

स्कूटी प्राप्त करने के बाद जीवराखन पटेल की खुशी देखते ही बन रही थी। उन्होंने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे अपने घर के लिए एक छोटी फोटो फ्रेमिंग की दुकान संचालित करते हैं। अब स्कूटी मिलने से न केवल उनके व्यक्तिगत आवागमन में सुविधा होगी, बल्कि व्यवसाय को आगे बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। इससे वे अधिक आत्मनिर्भर होकर अपने कार्यों का विस्तार कर सकेंगे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने जीवराखन पटेल को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्कूटी का उपयोग करते समय यातायात नियमों का पालन, अपनी तथा अन्य लोगों की सुरक्षा का ध्यान रखने और हेलमेट का नियमित उपयोग करने की सलाह भी दी।

कार्यक्रम में तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह भी उपस्थित थे। उन्होंने जीवराखन पटेल को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा हमेशा क्षेत्रवासियों की समस्याओं के समाधान और जरूरतमंदों की सहायता के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हैं। जनदर्शन के माध्यम से लोगों को त्वरित राहत और सहायता मिल रही है। इस दौरान पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दाढ़ी में कलेक्टर ममगाईं की ने बड़ी कार्रवाई : निरीक्षण में अनुपस्थित कर्मचारी को थमाया नोटिस

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने शुक्रवार को नगर पंचायत दाढ़ी एवं उप तहसील कार्यालय का औचक निरीक्षण कर प्रशासनिक एवं राजस्व कार्यों की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालयीन व्यवस्थाओं, जनहित से जुड़े मामलों के समयबद्ध निराकरण तथा स्वच्छता व्यवस्था को लेकर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए। वहीं निरीक्षण के दौरान बिना अनुमति अनुपस्थित पाए गए एक कर्मचारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने की कार्रवाई भी की गई।

उप तहसील कार्यालय में कलेक्टर ने विभिन्न राजस्व प्रकरणों की फाइलों का अवलोकन कर लंबित मामलों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी राजस्व प्रकरणों का निराकरण पूरी पारदर्शिता के साथ निर्धारित समय-सीमा में किया जाए तथा आम नागरिकों को किसी भी प्रकार की अनावश्यक परेशानी न हो। उन्होंने अभिलेखों एवं रिकॉर्ड को सुव्यवस्थित रखने तथा लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कर्मचारियों की उपस्थिति का भी जायजा लिया। इस दौरान नगर पंचायत दाढ़ी में एक कर्मचारी बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के अनुपस्थित पाया गया। इसे गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए संबंधित कर्मचारी को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के तहत कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं तथा संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर एकपक्षीय अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। इसके पश्चात कलेक्टर ने नगर पंचायत कार्यालय परिसर का निरीक्षण कर स्वच्छता एवं कचरा प्रबंधन व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने नगर क्षेत्र में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा स्वच्छता अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने नागरिकों से प्राप्त शिकायतों एवं आवेदनों के निपटारे की भी समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई भी आवेदक अनावश्यक रूप से परेशान न हो तथा सभी आवेदन निर्धारित समय-सीमा में निराकृत किए जाएं।

सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने कहा कि सभी शासकीय संस्थाओं का संचालन सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं जनहितैषी होना चाहिए। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बाल संरक्षण और पुनर्वास की दिशा में छत्तीसगढ़ राज्य में चला विशेष व्यापक अभियान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बाल सक्षम नीति-2022 के तहत 1 से 30 जून तक विशेष अभियान, बाल श्रम, भिक्षावृत्ति और सड़क जैसी परिस्थितियों में रहने वाले बच्चों की पहचान व पुनर्वास पर होगा फोकस

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल सक्षम नीति-2022 के प्रभावी क्रियान्वयन के तहत पूरे प्रदेश में 1 जून से 30 जून 2026 तक विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क जैसी विषम परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे, भिक्षावृत्ति, बाल श्रम, कचरा संग्रहण जैसे कार्यों में संलग्न तथा संरक्षण एवं देखरेख की आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान कर उनका सुरक्षित रेस्क्यू, संरक्षण और स्थायी पुनर्वास सुनिश्चित करना है।

अभियान के अंतर्गत बस्तर, दुर्ग, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, बालोद, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सूरजपुर, सुकमा, सारंगढ़-बिलाईगढ़, नारायणपुर, रायपुर एवं बेमेतरा सहित विभिन्न जिलों में जिला प्रशासन, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, श्रम विभाग, पुलिस विभाग तथा अन्य सहयोगी संस्थाओं की संयुक्त टीमों द्वारा व्यापक स्तर पर जागरूकता, निरीक्षण एवं बचाव अभियान चलाया गया।

इस दौरान बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, बाजार, होटल, ढाबा, कबाड़ी दुकान, गैरेज, निर्माण स्थल, ऑटो स्टैंड, फल-सब्जी मंडी, किराना दुकान, हार्डवेयर प्रतिष्ठान सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थलों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बाल श्रम, भिक्षावृत्ति एवं असुरक्षित परिस्थितियों में रह रहे बच्चों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई की गई। साथ ही दुकानदारों, प्रतिष्ठान संचालकों एवं आम नागरिकों को बाल अधिकारों, बाल संरक्षण कानूनों तथा बाल सक्षम नीति के प्रावधानों की जानकारी देते हुए पंपलेट एवं पोस्टर वितरित किए गए और बच्चों के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने का संदेश दिया गया।

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में अभियान के दौरान नौ बच्चों को विभिन्न प्रतिष्ठानों में कार्य करते हुए चिन्हित किया गया। संबंधित बच्चों एवं प्रतिष्ठान संचालकों को बाल श्रम निषेध संबंधी नियमों की जानकारी देकर आवश्यक समझाइश प्रदान की गई। वहीं गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के पेंड्रा क्षेत्र में भिक्षावृत्ति करते पाए गए दो नाबालिग बच्चों का रेस्क्यू कर उन्हें बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया, ताकि उनके संरक्षण एवं पुनर्वास की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में संभावित बाल विवाह की सूचना प्राप्त होने पर जिला प्रशासन, पुलिस विभाग एवं बाल संरक्षण इकाई की संयुक्त टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच की। दस्तावेजों के सत्यापन में दोनों पक्षों की आयु 19 वर्ष पाई गई। इसके पश्चात परिजनों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम-2006 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए जागरूक किया गया और आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में नशा मुक्त भारत सप्ताह के अवसर पर बाल सक्षम नीति, बाल विवाह रोकथाम, बाल संरक्षण तथा चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 से संबंधित व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। वहीं नारायणपुर जिले के दूरस्थ ग्रामों में मिशन वात्सल्य के अंतर्गत संचालित विभिन्न गैर-संस्थागत सेवाओं एवं बच्चों के संरक्षण, देखरेख और पुनर्वास से जुड़ी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाई गई।

राज्यभर में संचालित इस विशेष अभियान के माध्यम से बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, परामर्श एवं पुनर्वास सेवाओं से जोड़ने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। अभियान का उद्देश्य केवल बच्चों को जोखिमपूर्ण परिस्थितियों से बाहर निकालना ही नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराना भी है। साथ ही आमजन से अपील की जा रही है कि यदि किसी बच्चे के साथ शोषण, बाल श्रम, भिक्षावृत्ति, उपेक्षा या किसी प्रकार की संकटपूर्ण स्थिति की जानकारी मिले तो तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 अथवा आपातकालीन सेवा 112 पर सूचना दें, ताकि समय रहते आवश्यक सहायता और संरक्षण उपलब्ध कराया जा सके।

"आईएएस बनने का लक्ष्य दीवार पर लिखें, संकल्प याद रहेगा" : विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह

राजनांदगांव में यूपीएससी 2025 के चयनित अभ्यर्थियों का मार्गदर्शन कार्यक्रम

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम में जिला प्रशासन ने संघ लोक सेवा आयोग 2025 में चयनित अभ्यर्थियों द्वारा मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया। मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने युवाओं से कहा कि अपने अध्ययन कक्ष की दीवारों पर लिखें कि आईएएस अधिकारी बनना है। इसे रोज देखने से मन में विश्वास जागेगा और संकल्प पूरा करने की प्रेरणा मिलेगी।

डॉ. रमन सिंह ने यूपीएससी 2025 में 946 रैंक प्राप्त करने वाले संजय डहरिया की सराहना की। महासमुंद के बेलटुकरी निवासी संजय ने कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से संघर्ष करते हुए सफलता हासिल की। संजय ने कहा कि जब हम किसी समस्या को अंदर से जीत लेते हैं तो बाहर भी जीत जाते हैं। उन्होंने युवाओं से हताश न होने और सपने पूरे करने तक तैयारी जारी रखने की अपील की।

डॉ. रमन सिंह ने कहा कि यूपीएससी की तैयारी के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति, सोच और धैर्य जरूरी है। असफलता मिले तो उसे चुनौती मानकर जीत की तैयारी करें। उन्होंने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, अब्राहम लिंकन, जेके रोलिंग और थॉमस एडिशन का उदाहरण दिया जो असफलता के बाद सफल हुए।

आईजी बोले: एकाग्रचित होकर पढ़ाई करें : पुलिस महानिरीक्षक बालाजी राव ने कहा कि यूपीएससी की कठिन परीक्षा में एकाग्रचित होकर पढ़ाई करें। सफलता के पीछे अभिभावक, शिक्षक और मित्रों का योगदान होता है। अनिश्चिता भरे जीवन में दृढ़ इच्छा शक्ति और संकल्प आपको मजबूत बनाते हैं।

कलेक्टर: सही रणनीति से करें अध्ययन : कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कहा कि युवा जुनून और जज्बे से अपने सपने को साकार करें। यूपीएससी की परीक्षा खूबसूरत और विभिन्नता लिए हुए है। ग्रामीण परिवेश के सीमित संसाधनों वाले अभ्यर्थी भी बेहतरीन परिणाम ला रहे हैं। केवल मेहनत नहीं, सही रणनीति के साथ अध्ययन जरूरी है।

एसपी अंकिता शर्मा: प्रतिकूलता में सफल होना ही योद्धा की पहचान - पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने कहा कि अनुकूलता में सभी सफल होते हैं, योद्धा वही है जो प्रतिकूलता में सफल होते हैं। उन्होंने अपने पिता को याद करते हुए कहा कि उनका नाम रौशन करने के लिए आईपीएस बनीं।

चयनित अभ्यर्थियों ने साझा किए टिप्स : यूपीएससी सीएसई 2025 में प्रथम रैंक प्राप्त अनुज अग्निहोत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और आत्मविश्वास से सफलता मिलती है। चौथा रैंक लाने वाले राघव झुनझुनवाला ने कहा कि अनुशासन का चयन करें, प्रेरणा अस्थायी होती है। 19वीं रैंक के दिशांत निसार ने कहा कि सोच स्पष्ट रखें और ताकत कमजोरी का चिन्हांकन कर रणनीति बनाएं। 35वीं रैंक की वैभवी अग्रवाल ने डेली रूटीन और एनसीईआरटी पढ़ने पर जोर दिया। 32वीं रैंक की सुष्मिता सिंह ने मॉक टेस्ट और सतत विश्लेषण को जरूरी बताया। चयनित दर्शना सिंह बघेल ने शार्ट टर्म और लॉन्ग टर्म प्लान बनाने की सलाह दी।

452 रैंक के अजय गुप्ता: ग्रामीण परिवेश से भी लक्ष्य संभव - रायगढ़ के अजय गुप्ता ने कहा कि ग्रामीण परिवेश से निकलकर बड़े लक्ष्य हासिल करना संभव है। दृढ़ संकल्प, सही दिशा में मेहनत और निरंतर सीखने की इच्छा जरूरी है। एसडीएम डोंगरगढ़ एम. भार्गव ने कहा कि असफलताएं सीखने का अवसर देती हैं। कभी हार न मानें और मानसिक बाधाओं को दूर कर पूरे समर्पण से लक्ष्य की ओर बढ़ें।

कार्यक्रम में महापौर मधुसूदन यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में युवा व अभिभावक मौजूद थे। प्रश्नोत्तरी सत्र में विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।

दुर्ग जिले के 135 खाद विक्रय केंद्रों का निरीक्षण, अमानक उर्वरक जब्त, कृषि विभाग की उड़नदस्ता टीम की कार्रवाई

नियमों के उल्लंघन पर 7 विक्रेताओं को नोटिस, कई केंद्रों के विरुद्ध प्रकरण हुआ दर्ज

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कृषि विभाग के उड़नदस्ता दल द्वारा समय-समय पर खाद, बीज और कीटनाशकों की गुणवत्ता जांचने और कालाबाजारी रोकने के लिए औचक निरीक्षण किए जाते हैं। हाल ही में कई जिलों में उड़नदस्ता टीमों ने बड़ी कार्रवाई की। खरीफ सीजन 2026 के दौरान किसानों को समय पर गुणवत्तायुक्त उर्वरक उपलब्ध कराने तथा खाद-बीज की कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से दुर्ग जिले में कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार कृषि विभाग की जिला स्तरीय उड़नदस्ता टीम द्वारा जिलेभर में सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत विभिन्न निजी एवं सहकारी उर्वरक विक्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण कर नियमों का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की गई है।

विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस

उप संचालक कृषि से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले के 135 निजी एवं सहकारी उर्वरक विक्रय केंद्रों का निरीक्षण किया जा चुका है। जांच के दौरान स्टॉक संधारण में अनियमितता तथा उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 के प्रावधानों का उल्लंघन पाए जाने पर 7 विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

अतिरिक्त स्रोतों का समावेश किए बिना उत्पाद का हो रहा था विक्रय

निरीक्षण के दौरान फालेन्द्र कृषि केन्द्र, सेलूद से 18.5 लीटर, शीतल कृषि केन्द्र, रानीतराई से 19 लीटर तथा देवेश साहू कृषि केन्द्र, धमधा से 5 लीटर बायो-स्टिम्यूलेंट जब्त किया गया। इन केंद्रों द्वारा उर्वरक अनुज्ञप्ति में अतिरिक्त स्रोतों का समावेश किए बिना उत्पादों का विक्रय किया जा रहा था।

निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर उर्वरकों की बिक्री पर जब्ती

इसी प्रकार मेसर्स ऋषभराज फर्टिलाइजर में यूरिया एवं एनपीके उर्वरक के भंडारण एवं विक्रय में अनियमितता पाई गई। वहीं मेसर्स विद्या कृषि केन्द्र, बोरी तथा मेसर्स कृषि सेवा केन्द्र, पाटन में निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर उर्वरकों की बिक्री किए जाने के मामले सामने आए। इन प्रकरणों में संबंधित उर्वरकों को जब्त कर कलेक्टर न्यायालय में कार्रवाई हेतु प्रकरण प्रस्तुत किया गया है।

अमानक उर्वरक पर 5 विक्रय केंद्रों नोटिस किया जारी

कृषि विभाग द्वारा लिए गए उर्वरक नमूनों के परीक्षण में 5 विक्रय केंद्रों के उर्वरक अमानक स्तर के पाए गए हैं। ऐसे उर्वरकों के जिले में विक्रय पर तत्काल प्रतिबंध लगाते हुए संबंधित विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों के साथ खिलवाड़ करने, कालाबाजारी करने, अमानक उर्वरकों का विक्रय करने अथवा उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित अथवा निरस्त किए जाने के साथ वैधानिक कारवाई भी की जाएगी।

विभाग की किसानों से अपील

विभाग ने सभी उर्वरक विक्रेताओं एवं सहकारी समितियों को किसानों को निर्धारित दर पर ही उर्वरक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही किसानों से अपील की गई है कि उर्वरक वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता, कालाबाजारी या अधिक मूल्य वसूली की शिकायत निकटतम कृषि विभाग कार्यालय में तत्काल दर्ज कराएं। खरीफ सीजन के दौरान उर्वरकों की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था की सतत निगरानी जारी रहेगी।

देवेन्द्र ने किया योगाभ्यास

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

विधायक देवेंद्र यादव ने अपने बेटे राम के साथ योग दिवस योग करके स्वस्थ शरीर, निरोगी शरीर का संदेश दिया।

कम पानी में धान की फसल के लिए कतार बोनी को अपनाएं : प्रगतिशील कृषक अशोक चौधरी

रोपाई की तुलना में 20 लाख लीटर पानी की बचत, खरपतवार नियंत्रण में भी सहूलियत

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

मानसून की बेरुखी एवं कृषि वैज्ञानिकों के कम वर्षा की भविष्यवाणी के बीच प्रगतिशील कृषक अशोक चौधरी ने खेती में पानी की खपत कम करने के लिए सीड ड्रिल से कतार में बोआई करने की सलाह दी है।

रोपाई में 60 लाख लीटर, कतार बोनी में 40 लाख लीटर पानी

अशोक चौधरी ने कहा कि रोपाई विधि से खेती करने में एक एकड़ धान की फसल के लिए लगभग 60 लाख लीटर पानी की आवश्यकता होती है जबकि कतार बोनी में 40 लाख लीटर में भी फसल तैयार हो जाती है। कतार बोनी में धान की जड़ में पानी चला जाता है और पानी की कमी होने पर भी फसल को नुकसान नहीं होता। इसलिए अल नीनो के प्रभाव से होने वाली कम वर्षा के कारण धान की फसल लेने वाले किसान कतार बोनी को प्राथमिकता दें।

खरपतवार नियंत्रण और खाद की बचत

चौधरी ने बताया कि वे स्वयं कई वर्षों से कतार बोनी कर रहे हैं। इसमें खरपतवार नियंत्रण में भी सहूलियत होती है क्योंकि कतार बोनी में दो कतारों के बीच जो खुली भूमि होती है उसमें खरपतवार अलग से दिखाई देता है। किसान को निंदाई गुड़ाई में काफी सहूलियत होती है और मजदूरी भी कम लगती है। खाद सीधे बीज के साथ गिरता है जो जड़ में सीधे प्राप्त होता है। फसल भी ठीक होती है। उन्होंने किसान भाइयों से अपील की कि कम वर्षा की स्थिति को देखते हुए कतार बोनी को प्राथमिकता दें।

वैभव सूर्यवंशी ने 11 गेंदों में अर्धशतक जड़कर तोड़ा 21 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड

दिल्ली। ट्राई-नेशन ए सीरीज के फाइनल में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने लिस्ट ए क्रिकेट का नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया। उन्होंने श्रीलंका ए के खिलाफ सिर्फ 11 गेंदों में अर्धशतक जड़कर 21 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। सूर्यवंशी ने 5 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 450 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

इससे पहले लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड श्रीलंका के कौशल्या वीररत्ने के नाम था। उन्होंने साल 2005 में रगामा क्रिकेट क्लब के लिए खेलते हुए 12 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया था। वैभव ने उनका रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास रच दिया। वैभव ने भारतीय रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। इसी साल सरफराज खान ने मुंबई के लिए एंजाब के खिलाफ 15 गेंदों में अर्धशतक जड़कर अभिजीत काले का रिकॉर्ड तोड़ा था। अभिजीत काले ने 1995 में 16 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। फाइनल मुकाबले में सूर्यवंशी ने इन सभी रिकॉर्ड्स को ध्वस्त कर दिया।

दूसरे ओवर में बटोरे 26 रन : इस मुकाबले में भारतीय टीम टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी। प्रियांश आर्या और वैभव सूर्यवंशी ने पहले ही ओवर से ताबड़तोड़ शुरुआत की।

GOSWWAMI
FLEX PRINTING
ADVERTIZER
भिलाई में सबसे सस्ता, सबसे अच्छा
Hoardings • Flex Banner • Vinyl Printing
One Way Vision • Glow Sign Board
93290-13334, 74711-15735
goswamiflex@gmail.com
Address - 3rd Floor Shop No-1, Arora Tower, M.G. Market

अर्चना
फ्लाई ऐश ब्रिक्स
निर्माता एवं विक्रेता
हैवी इंडस्ट्रीयल एरिया, भिलाई
8 इंच एवं 9 इंच में उपलब्ध है।
संपर्क करें
9329960605, 9827160605, 9098639991

Baked by Suhani
Premium Homemade Cakes & Desserts
Birthday Cakes
Anniversary Cakes
Custom Theme Cakes
Serving Bhilai & Durg
baked.by.suhani
Suhani Singh
Premium Homemade Cakes & Desserts
Serving Bhilai & Durg
DM for Order
Followed by _s_andeep
Follow
Message
Order Now:
@baked.by.suhani
M0.6263734520

10वीं, 12वीं, स्नातक एवं स्नातकोत्तर पास छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए
फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण
नौकरी में सहायक
प्रवेश प्रारंभ सत्र 2026-2027
निजी कंपनियां जैसे पावर प्लांट, सीमेंट प्लांट, स्टील प्लांट, कंस्ट्रक्शन सेक्टर में बहुत नौकरियाँ मिलती है।
प्रशिक्षण शुल्क में विशेष छूट
सरकारी मान्यता प्राप्त प्रमाण पत्र दिया जाएगा
फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण में प्रवेश प्रारंभ

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	क्र.	पाठ्यक्रम का नाम
1.	फायर टेक्नोलॉजी एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	5.	पी. जी. कोर्स व्यावसायिक सेफ्टी, स्वास्थ्य व पर्यावरण मैनेजमेंट सिस्टम
2.	इंडस्ट्रियल सेफ्टी / पी. जी. इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6.	हैल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
3.	बी.एस.सी. इन फायर सेफ्टी	7.	सब- फायर ऑफिसर
4.	पी. जी. कोर्स फायर एवं इंडस्ट्रियल सेफ्टी	8.	सर्टिफिकेट इन फायरमैन-इंडस्ट्रियल सेफ्टी

(An Authorized Training Centre of AEERO)
फायर सेफ्टी एवं डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट
(मान्यता प्राप्त निजी प्रशिक्षण संस्थान)
कैंपस :- इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़
ADMISSION HELPLINE: 7697212782

BA
BCA
BCom
BBA
BSc
PGDCA
MSc CHEMISTRY
MSc BIOTECHNOLOGY
MSc BOTANY
MSc ZOOLOGY
MSc COMPUTER Sc
MSc MATHS
MA ENGLISH
MCom
BLib
MLib
DCA
MA CHHATTISGARHI
Deepak Advertisers
Affiliated to Hemchand Yadav University, Durg
SAI COLLEGE
Street-69, Sector-6, Bhilai
70248 86996
99770 01027

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100